आर.एन.आई. नं. एम.ए.आर. / 2000 / 2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र. / भोपाल / 44 / 2021–23
"चतुर्वेदी चन्द्रिका" सितम्बर 2023

प्रकाशन : 03 तारीख
पृष्ठ संख्या : 40
मूल्य : 20 / –

स्थापना – माघ/शुक्ल पूर्णिमा सम्वत् 1947 सन् 1890

चतुर्वेदी चन्द्रिका

| वर्ष –24 | अंक–09 | –भाद्रपद –अश्विन(क्वार) मास | सितम्बर 2023

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक

श्री गिरधारी लाल जी

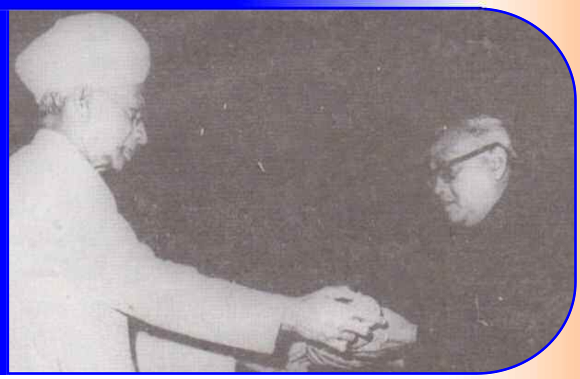
पं. जगन्नाथ प्रसाद चौबे बनमाली

मनीषी पंडित शिव दत्त चतुर्वेदी

श्री महेश प्रसाद जी चतुर्वेदी (पाण्डे)

पंडित नरेंद्र नाथ चतुर्वेदी

श्री महेश कुमार चतुर्वेदी

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का मुखपत्र

भावभीनी श्रद्धांजली

श्रीमती ऋगी चतुर्वेदी

(01 फरवरी 1957 - 03 अगस्त 2023)

सहभागिनी : श्री अश्विनी चतुर्वेदी

(बिजकौली/अलीगढ़/दिल्ली)

सुपुत्री : स्व. श्री दिनेश चतुर्वेदी (कमतरी/सहारनपुर)

न जायते म्रियते वा कदाचिनायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का न तो कभी जन्म होता है न ही मृत्यु होती है और न ही आत्मा किसी काल में जन्म लेती है और न ही कभी मृत्यु को प्राप्त होती है। आत्मा अजन्मी, शाश्वत, अविनाशी और चिरनूतन है। शरीर का विनाश होने पर भी इसका विनाश नहीं होता।

- शोकाकुल-

समस्त परिवार

निवास : ए-402, पवित्रा अपार्टमेंट, वसुन्धरा एन्क्लेव, दिल्ली - 110096

मोबाइल : 8383052367, 9868838002

(र.क्र. 2023/1985)

आगरा कार्यकारिणी बैठक

समाज के गौरव

डॉक्टर निखिल चतुर्वेदी

हेमेंद्र चतुर्वेदी पत्रकारिता
होलीपुर/आगरा

राहुल चतुर्वेदी
समाजवादी पार्टी

श्रीमती निधि चतुर्वेदी
भाजपा प्रतिनिधि

कु.आयुषी चतुर्वेदी पुत्री अमित जी
नेशनल प्लेयर फुटबॉल

मास्टर मौलिक चतुर्वेदी
स्टेट प्लेयर बैडमिंटन

श्री सुदीप चतुर्वेदी/अरविन्द चतुर्वेदी
समाज सेवी फिरोजाबाद

समीर चतुर्वेदी
विजय नगर

डॉक्टर सौरभ चतुर्वेदी
/डॉक्टर संगीता चतुर्वेदी

श्रीमती शैफाली चतुर्वेदी
पैराजंपिंग १४००० फीट

समाज के वृद्धजनों का सम्मान

श्री सत्यदेव चतुर्वेदी जी
(विजय नगर आगरा)

श्रीमती रुकमणि चतुर्वेदी
पत्नी स्व. घुर्रे बाबू आगरा

श्रीमती रुकमणि चतुर्वेदी
कमलानगर आगरा

श्रीमती शिमला चतुर्वेदी
आगरा

श्री उमेश चंद्र चतुर्वेदी जी
होलीपुरा/आगरा

श्री अजीत कुमार पांडेय जी
होलीपुरा आगरा

श्री बटुकनाथ जी
कमलानगर आगरा

श्री उमेश चंद चतुर्वेदी
स्वदेशी बीमा नगर आगरा

श्रीमती प्रभा पाठक
गुड़ की मण्डी

श्रीमती शिमला चतुर्वेदी
कमलानगर

श्रीमती कुमोद्नी चतुर्वेदी
बल्केश्वर आगरा

कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी
पुरा

आगरा कार्यकारिणी बैठक

अंक 09
सितम्बर 2023, वर्ष - 24

सभापति
डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी
president@chaturvedimahasabha.in

सचिव
श्री मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी
मोबा. 098711-70559

कोषाध्यक्ष
श्री महेशचन्द्र चतुर्वेदी
मोबा. 09868875645

संपादक सलाहकार मंडल
डॉ. कुश चतुर्वेदी, इटावा
पूर्व संपादक
श्री दिलीप सिकन्दरपुरिया, लखनऊ
श्रीमती चित्रा दिलीप चतुर्वेदी, भोपाल

संपादक
शशांक चतुर्वेदी
पत्र व्यवहार का पता:
'चतुर्वेदी चंद्रिका', ई-8/जी2/255
गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल
(मध्यप्रदेश)
मोबा. 9826086879
ई- मेल :
sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com
वेबसाइट : www.chaturvedimahasabha.in

मासिक पत्रिका चतुर्वेदी चंद्रिका में प्रकाशित लेखकों में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। उनसे संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निबटारा भोपाल अदालत में किया जायेगा।

चतुर्वेदी चन्द्रिका

अपनों से मन की बात	8
संपादकीय	9
शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक	11
संपादक के नाम पत्र	14
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक	18
वृद्धजन व समाज गौरव सम्मान, आगरा	20
गया श्रद्धा तुल्य भरणी श्राद्ध	25
अर्धनारीश्वर भगवान शिव	26
लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम...	27
विवाह संस्कार की उत्पत्ति प्रकार नियम एवं रिवाजें	29
शाखा समाचार	32
समाज समाचार	34
बिछड़े स्वजन	34

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
Account No. :
1006238340
IFSC Code :
CBIN0283533
Branch :
Central Bank of India
Anand Vihar, Delhi

SHREE MATHUR CHATURVED
10292296@cbin
BHIM UPI

पत्रिका पाँच वर्षीय तथा महासभा आजीवन सदस्यता शुल्क
1000 + 501 = 1501/-
महासभा सत्र + पत्रिका वार्षिक सदस्यता शुल्क-
101+ 251 = 352/-

प्रकाशक : मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के लिए स्पेसिफिक ऑफसेट, भोपाल से मुद्रित, संपादक शशांक चतुर्वेदी

सभी सदस्यों को पत्रिका डाक द्वारा भेजी जाती है। पत्रिका न मिलने की दशा में पत्रिका कार्यालय की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

अपनों से मन की बात

● डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी
Email : president@chaturvedimahasabha.in

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 13 अगस्त 2023 को आगरा में संपन्न हुई। बैठक की समुचित वह उत्तम व्यवस्था श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा (रजि.) द्वारा की गई थी। प्रत्येक सदस्य घर जैसा मनोहर करता दिख रहा था। कुछ लोगों की पुराने समय की विवाह/बारातों की व्यवस्था की यादें ताजा हो गई।

इस बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति का कीर्तिमान स्थापित हुआ। सभी कार्यकारिणी सदस्यों का आत्मिक व प्रेमपूर्वक सम्मान सभा के सदस्यों द्वारा किया गया। इसी के साथ बहुत सुंदर स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए। आज तक इतनी बड़ी संख्या में किसी भी बैठक में कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित नहीं हो सके थे। बैठक में हमारे संस्कारों व हमारी युवा पीढ़ी के बीच की दूरी पर सारगर्भित विचार विमर्श हुआ। इसी के साथ 2022-2023 की आय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। जिसे बैठक में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बैठक की उच्च स्तरीय व्यवस्था हेतु हम महासभा की ओर से आगरा सभा (रजि.) का आभार व्यक्त करते हैं। इसमें हम सर्वश्री अध्यक्ष - मुकेश जी, मंत्री- राकेश जी, कपिल जी, राजीव जी, आशीष सुभाष जी, आशीष जी "रानू", हर्ष मोहन जी, अमित पांडे जी, रोहित जी, निधि जी व हमारी महासभा के साथी शशिकांत जी (ददे), मधुकर पाठक जी व विशाल जी का हृदय के अंतःकरण से आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही मैं अपने महासभा के सभी साथियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकालकर मेरे बुलावे पर आगरा पहुँचकर बैठक को सफल बनाया।

विगत दिनों एक ट्रेन दुर्घटना में स्व. आशीष (कमतरी/बाह) की अल्पायु में असमय मृत्यु से संपूर्ण समाज स्तब्ध है। सभापति डॉक्टर प्रदीप की एक अपील पर बैठक में के लिए 1,11,000/- एकत्रित किए गए। जिसे शीघ्र ही उसके परिवार के पास पहुंचा दिया जाएगा। इस अवसर पर अन्नपूर्णा सहायता के लिए भी रुपए एकत्रित हुए।

किसी परिवार के व्यक्ति के जाने पर रुपये से उसके परिवार का दुख कम नहीं किया सकता पर उन रुपयों से उस परिवार की आर्थिक मदद की जा सकती हैं।

कार्यकारिणी की बैठक के उपरांत वहां पर आगरा के वृद्धजनों व आगरा समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। सभी को सम्मान प्राप्ति पर बधाई।

हरियाली तीज का कार्यक्रम हमारे समाज में बड़ी उमंग व उत्साह से मनाया गया। जिसमें नोएडा, कानपुर, लखनऊ, आगरा, ग्वालियर की सूचनाएं हमें प्राप्त हुई है।

संपादकीय

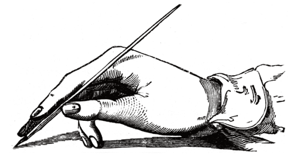

महासभा की कार्यकारिणी में आगरा जाना इस बार मेरे लिए किसी सेना के अनुशासन से कम नहीं था। अंतिम समय में हमारे जनरल डॉ. प्रदीप जी का आदेश आया और मुझे सब काम छोड़कर आगरा की ओर कूच करने का निर्देश दिया गया। इससे पूर्व आंशिक अस्वस्थता के चलते मेरा कोई कार्यक्रम नहीं था। मैंने अपने जनरल का आदेश प्राथमिकता के तौर पर निभाने का निर्णय लिया। सेना में जनरल के आदेश के बाद कोई किंतु व परंतु नहीं होता। सिर्फ आदेश की पालना करनी होती है। शनिवार शाम को मैं आगरा पहुंच गया। आगरा सभा द्वारा अपनत्व से भरपूर आतिथ्य, स्वागत व सत्कार से सभी आगंतुक अतिथि सत्कार से भाव विभोर थे।

अपने उद्बोधन में महासभा के संरक्षक लेफ्टिनेंट जनरल विष्णु कांत जी द्वारा विगत शौर्य अंक को सराहे जाने पर मन प्रफुल्लित था। विगत 3 वर्षों में इस तरह की सराहना मुझे पहली बार प्राप्त हो रही थी। आपके स्नेह व अनुराग के लिए आभार।

विगत माह में प्रकाशित शौर्य अंक को हमारे समाज द्वारा काफी साराहा गया। इस अंक को संपूर्ण समाज की भरपूर सराहना व आशीर्वाद प्राप्त हुए। सराहना व सम्मान उत्साहवर्धन करते हैं, व इससे भविष्य में और अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिली व उत्साह जागृत होता है।

आगरा, ग्वालियर व लखनऊ समेत अनेक शहरों में हरियाली तीज का कार्यक्रम बड़े जोर-शोर,उत्साह-उमंग से आयोजित किया गया।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के मुखपत्र चतुर्वेदी चंद्रिका का प्रकाशन विगत सन 2018 से बिना किसी व्यवधान के नियमित व सतत रूप से हो रहा है। इसके लिए तात्कालिक अध्यक्ष श्री कमलेश चंद पांडे जी और तात्कालिक संपादक डॉ. कुश चतुर्वेदी, वर्तमान सभापति डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी, महामंत्री श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी बधाई के योग्य हैं।

वर्तमान अंक हम हमारे समाज के उन शिक्षकों को समर्पित कर रहे हैं जिन्होंने समाज में शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया है। इसी के साथ इस अंक में श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की आगरा बैठक के बारे में संपूर्ण जानकारी भी प्रस्तुत कर रहे हैं।

समाज में हुई एक दुखद घटना के पीड़ित परिजनों के सहायतार्थ कुछ राशि महासभा द्वारा दी जा रही है। इसी क्रम में शाखा सभा ग्वालियर, गुरुग्राम व कानपुर द्वारा अपनी ओर से पृथक से सहायता राशि भेज दी गई है। समाज में इस तरह की मिसाल कायम करने के लिए उपरोक्त सभाओं को साधुवाद। पूर्व में ग्वालियर सभा द्वारा उक्त बंधु के पार्थिव शरीर को परिजनों को दिलाने में महत्वपूर्ण सहायता की गई, जो उल्लेखनीय है।

– **शशांक चतुर्वेदी,** संपादक

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा
महासभा कार्यकारिणी - 2020-2023

ऋग्वेद
यजुर्वेद
सामवेद
अथर्ववेद

संरक्षक : डॉ. सतीश चतुर्वेदी (नागपुर), श्री भरत चंद्र चतुर्वेदी(भोपाल) (पूर्व सभापति), श्री राजेंद्र आर. चतुर्वेदी, (मुम्बई) (पूर्व सभापति), श्री त्रिभुवन चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री कमलेश पाण्डे (नोएडा) (पूर्व सभापति), ले. ज. विष्णुकांत चतुर्वेदी (नोएडा), श्री मदन चतुर्वेदी (कोलकाता), श्री बालकृष्ण चतुर्वेदी (नोएडा)

सभापति : डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी (दिल्ली)

उप सभापति : श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी,(भोपाल), श्री कैलाश चतुर्वेदी (कासगंज), श्री मनोज चतुर्वेदी (बैंगलोर), श्री विनोद चतुर्वेदी (मुम्बई)
मंत्री : श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी (नोएडा)
संयुक्त मंत्री : श्री भरत चतुर्वेदी (रिषड़ा), श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री आशुतोष चतुर्वेदी (कानपुर), श्री अंशुमान चतुर्वेदी (जयपुर)
कोषाध्यक्ष : श्री महेश चतुर्वेदी (दिल्ली)

संपादक,चतुर्वेदी चंद्रिका – श्री शशांक चतुर्वेदी (भोपाल) **ऑडिटर – शिव एसोसिएट,** नई दिल्ली

माननीय कार्यकारिणी सदस्य : श्री दिलीप सिंकदरपुरिया (लखनऊ), श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (नागपुर), डॉ. कुश चतुर्वेदी (इटावा), श्री शशांक चतुर्वेदी (भोपाल), श्री मनीष चतुर्वेदी (हरदोई), डा. राकेश चतुर्वेदी (मथुरा), डा. राजीव चतुर्वेदी (पुणे), श्री पंकज चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री सुशील पाठक (मुम्बई), डॉ. ऋषभ चतुर्वेदी (देहरादून), श्रीमती बीना मिश्रा (हैदराबाद), श्री राकेश चतुर्वेदी(बरेली), श्री करुणेश चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्री अजय चौबे(भोपाल), श्री प्रदीप चतुर्वेदी "लालन" (आगरा), श्री भुवनेश कुमार चौबे(गोंदिया), श्री पुनीत चतुर्वेदी (आगरा), श्री प्रदीप चतुर्वेदी (ग़ाज़ियाबाद), श्री ललित चतुर्वेदी (कोटा), श्री राहुल चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री विशाल चतुर्वेदी (पुरा), श्री गोविंद चतुर्वेदी (जयपुर), श्री गोविंद चतुर्वेदी (इंदौर), श्री ललित चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री अभयराज चतुर्वेदी (गुरुग्राम), श्री विनय चतुर्वेदी (अहमदाबाद), श्री अभिषेक चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्री प्रवेश चतुर्वेदी (कानपुर) श्री नीलकमल चतुर्वेदी (कोलकाता), श्री हेमंत चतुर्वेदी (नासिक), श्री अनिल चतुर्वेदी (प्रयागराज), श्री सुदीप चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री सुशील चतुर्वेदी (फ़रीदाबाद), डॉ. मनीष चतुर्वेदी (कोटा), श्री लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री शिव नारायण चतुर्वेदी (कोटा), श्री विपिन चतुर्वेदी (लखनऊ), श्रीमती पूनम चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री आशीष चतुर्वेदी (आगरा)।

स्थाई आमंत्रित सदस्य : श्री अविनाश चतुर्वेदी (कानपुर), श्री पदम कुमार चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री प्रताप चंद्र चतुर्वेदी (लोनी), श्री सुभाष चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी "अन्नी" (प्रयागराज), श्री मनमोहन चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री बिपिन पांडेय (गाजियाबाद), श्री कमलेश रावत (कोटा), श्री राहुल चतुर्वेदी (मुम्बई), श्री प्रवीण चतुर्वेदी (हैदराबाद), श्री ईश्वर नाथ चतुर्वेदी (कोलकात्ता), श्री अरुण चतुर्वेदी (जयपुर), श्री अमित चतुर्वेदी (मथुरा), श्री योगेंद्र चतुर्वेदी (ग्वालियर)।

विशेष आमंत्रित सदस्य : श्री नीरज चतुर्वेदी (मैनपुरी), श्री गजेंद्र चौबे (दमोह), श्री दिनकर राव चतुर्वेदी (फरौली), श्री कौशल चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री मधुकर पाठक (आगरा), श्री चैतन्य किशोर चतुर्वेदी (फर्रूखाबाद), श्री संजय मिश्रा (कानपुर), श्री अम्बर पाण्डे (भोपाल), श्री अरुण चतुर्वेदी (नागपुर), श्री मुकेश चतुर्वेदी (रिषड़ा), श्री भारत भूषण चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री शशिकांत चतुर्वेदी (आगरा), श्री अरविंद चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री महेंद्र चतुर्वेदी (जयपुर), श्री दिलीप चतुर्वेदी (फिरोजाबाद), श्री लेखेंद्र चतुर्वेदी "पुत्तन" (लखनऊ), श्री शशांक गिरीश चौबे (नागपुर), श्री संजय चतुर्वेदी (अहमदाबाद), श्री बसंत रमेश चौबे (भिलाई), श्री नितिन चतुर्वेदी (निम्बाहेड़ा), श्री राजेश चतुर्वेदी, "गुड्डू" (कोलकत्ता), श्री हर्ष मोहन चतुर्वेदी, "मोहित" (आगरा), श्री दिनेश चतुर्वेदी (बाह), श्री मनीष चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री मनोज मिश्रा (मैनपुरी), श्री संजय चतुर्वेदी (फरीदाबाद), श्री आशीष चतुर्वेदी, रानू (आगरा), श्री आशीष सुभाष चतुर्वेदी (आगरा)।

महिला प्रकोष्ठ : श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी (भोपाल) (संयोजक), श्रीमती नीलिमा चतुर्वेदी (कानपुर), श्रीमती विनीता चतुर्वेदी (देहरादून), श्रीमती समता चतुर्वेदी (दौसा), श्रीमती पूनम चतुर्वेदी (लखनऊ), श्रीमती संध्या चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी (जयपुर), श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी (ग्वालियर), श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी (नोयडा), श्रीमती अरूणा चतुर्वेदी (कोटा), श्रीमती कीर्ति मिश्रा (हैदराबाद), श्रीमती निधि चतुर्वेदी (आगरा)।

युवा प्रकोष्ठ : डॉ. मनीष चतुर्वेदी (कोटा), (संयोजक), श्री सुधांशु चतुर्वेदी (दिल्ली), श्री रीगल चतुर्वेदी (भिंड), श्री दिवस चतुर्वेदी (लखनऊ), श्री आशीष चतुर्वेदी (हावड़ा), श्री दुर्गेश चतुर्वेदी (जयपुर) श्री गगन चतुर्वेदी (पुरा), श्री पुलकित चतुर्वेदी (नोएडा), श्री सुनील चतुर्वेदी (जयपुर), श्री सावन चतुर्वेदी (आगरा)।

चिकित्सा प्रकोष्ठ : डॉ. संजय चतुर्वेदी (आगरा), डॉ. अरविंद चतुर्वेदी (दिल्ली), डॉ. निखिल चतुर्वेदी (आगरा)
आई टी प्रकोष्ठ : श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (गाजियाबाद), श्री प्रसून चतुर्वेदी (भुवनेश्वर)।

पता : 405-406, चिरंजीव टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली - 110019

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक

श्री गिरधारी लाल जी

जो जन्मा है अवश्यमेव में पंचतत्व में विलीन होता है,पर

कुछ प्रतिभाएं ऐसी जन्म लेती हैं जो समाज एवं परिवार में अमिट प्रभाव छोड़ती हैं। ऐसी ही विभूतियों में श्री गिरधारी लाल जी चतुर्वेदी का नाम शामिल है। आपने शिक्षा के क्षेत्र को अपना कर्तव्य पथ चुना एवं निरंतर इस क्षेत्र में अपनी कर्तव्य परायणता रुचि एवं एकाग्रता से कीर्तिमान स्थापित किया।

परिचय - आपका जन्म (मैनपुरी जनपद) में विलास राय सर्राफ के घर में सन 1902 में हुआ। परिवार में छह भाई व दो बहन में आप 5 क्रम में थे। आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर कर कुरावली (जनपद मैनपुरी) को अपना कार्य क्षेत्र बनाया। जीवन पर्यन्त शिक्षा से जुड़े रहे व अंत में डिप्टी इंस्पेक्टर आफ स्कूल के पद से अवकाश ग्रहण किया। साहित्य क्षेत्र में अंग्रेजी आपका विशेष विषय रहा तथा आपकी शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान कर्मठता को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार द्वारा सर्वोत्तम शिक्षक पुरस्कार भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी द्वारा 1960 में प्रदान किया गया। आपने अनेक साहित्यिक व्याकरण से संबंधित पुस्तकों का लेखन और संपादन भी किया।

जगन्नाथ प्रसाद चौबे वनमाली

चालीस से साठ के दशक के बीच 'वनमाली' हिन्दी के कथा जगत के एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। 1934 में उनकी पहली कहानी 'जिल्दसाज़' कलकत्ते से निकलने वाले 'विश्वमित्र' मासिक में छपी और उसके बाद लगभग पच्चीस वर्षों तक वे प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्र पत्रिकाओं 'सरस्वती', 'कहानी', 'विश्वमित्र', 'विशाल भारत', 'लोकमित्र', 'भारती', 'माया', 'माधुरी' आदि में नियमित रूप से प्रकाशित होते रहे। अनुभूति की

तीव्रता, कहानी में नाटकीय प्रभाव, सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक समझ और विश्लेषण की क्षमता के कारण उनकी कहानियों को व्यापक पाठक वर्ग और आलोचकों दोनों से ही सराहना प्राप्त हुई।

आचार्य नंददुलारे बाजपेयी ने अपने श्रेष्ठ कहानियों के संकलन में उनकी कहानी 'आदमी और कुत्ता' को स्थान दिया था। करीब बीस वर्षों तक मध्यप्रदेश के अनेक विद्यालयों, महाविद्यालयों में वनमाली जी की कहानियाँ पढ़ाई जाती रहीं। उन्होंने करीब सौ से ऊपर कहानियाँ, व्यंग्य लेख एवं निबंध लिखे। कथा साहित्य के अलावा उनके व्यंग्य निबंध भी खासे चर्चित रहे हैं। आकाशवाणी इंदौर से उनकी कहानियाँ नियमित रूप से प्रसारित होती रहीं।

कथा साहित्य के अतिरिक्त 'वनमाली' जी का शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा। वे अविभाजित मध्यप्रदेश के अग्रगण्य शिक्षाविदों में थे। गांधी जी के आव्हान पर कई वर्षों तक प्रौढ़ शिक्षा के काम में लगे रहे। फिर शिक्षक, प्रधानाध्यापक एवं उपसंचालक के रूप में उन्होंने बिलासपुर, खंडवा और भोपाल में कार्य किया और इस बीच अपनी पुस्तकों के माध्यम से, शालाओं और शिक्षण विधियों में नवाचार के कारण और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद् की समिति के सदस्य के रूप में शिक्षा जगत में उन्होंने महत्वपूर्ण जगह बना ली थी। 1962 में डॉ. राधाकृष्णन के हाथों उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से विभूषित किया गया।

वनमाली जी का जन्म 1 अगस्त 1912 को आगरा में हुआ। उन्होंने अपना पूरा जीवन मध्यप्रदेश में ही गुजारा और 30 अप्रैल 1976 को भोपाल में उनका निधन हुआ। उनका पहला कथा संग्रह 'जिल्दसाज' उनकी मृत्यु के बाद 1983 में तथा 'प्रतिनिधि कहानियाँ' के नाम से दूसरा संग्रह 1995 में प्रकाशित हुआ था। वर्ष 2008 में वनमाली समग्र का पहला खण्ड तथा वर्ष 2011 में संतोष चैबे के संपादन में 'वनमाली स्मृति' तथा 'वनमाली सृजन' शीर्षक से दो खण्ड और भी प्रकाशित हुए हैं।

बृज भाषा के मर्मज्ञ,मनीषी पंडित शिव दत्त चतुर्वेदी

पण्डित शिवदत्त चतुर्वेदी (हथकांत/इटावा) को 1963 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित करते सर्वपल्ली डा०राधाकृष्णन

ब्रजभाषा साहित्य के परम मनीषी विद्वान पंडित शिव दत्त चतुर्वेदी का नाम साहित्य संसार में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। आपने देव,पद्माकर आदि कवियों की टीकाएं लिखी। आपकी पुस्तक देव की दीप शिखा देश के दर्जन भर विश्व विद्यालयों के एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में सम्मिलित रही। आपके व्यक्तित्व और साहित्य पर अनेक विश्वविद्यालयों में पी. एच. डी. प्रदान की गई। इसके अलावा अनेक लघु शोध प्रबंध भी लिखे गए।आपकी स्मृति में इटावा प्रदर्शनी प्रतिवर्ष एक वाद विवाद प्रतियोगिता कराती है।नगर पालिका परिषद ने वर्ष 1990 में इटावा नगर में शिवदत्त चतुर्वेदी मार्ग का लोकार्पण तत्कालीन जिलाधिकारी के.के. सिन्हा ने किया था। आपने आगरा विश्व विद्यालय के.के.एम मुंशी हिन्दी एवम भाषा विज्ञान विद्यापीठ में बृज भाषा कोश का संपादन किया। राजकीय दीक्षा विद्यालय,कमतरी,आगरा के प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त के बाद आप इटावा में जुडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के पद पर भी रहे। भदावर की सबसे पुरानी राजधानी और क्षेत्र के प्राचीनतम मथुरांत हथकान्त में 18 अक्टूबर 1915 को क्षेत्र के प्रतिष्ठित जमींदार श्री बस्ती राम चतुर्वेदी के सुपुत्र के रूप में जन्मे शिवदत्त जी ने आगरा विश्व विद्यालय के आगरा कालेज में स्नातक किया।। तत्पश्चात इलाहबाद से एल.टी.किया। जहां उनके रूममेट ए मेरे वतन के लोगो जैसे कलजयी गीत के रचनाकार राम चंद्र द्विवेदी, प्रदीप तथा मैनपुरी निवासी श्री रामदास चतुर्वेदी रहे।आपने अध्यापन जीवन का श्री गणेश आगरा के शुएब मोहम्मदियां हाई स्कूल आगरा से किया। जहां उनके बड़े जीजा जी परम साहित्यिक श्री प्यारे मोहन जी और ब्रजभाषा के बड़े कवि मास्टर हरदयाल सिंह के सानिध्य ने आपकी साहित्यिक रचना धर्मिता को गति प्रदान की।आपके परिवार की गद्दी चौबे कुंज बिहारी बस्ती राम के नाम से राजा कटरा कलकत्ता में था। किंतु इकलौते पुत्र होने के कारण आपने दलाली के पैतृक व्यवसाय को नहीं अपनाया और कलकत्ता न जाकर नौकरी की। आगरा के शुएब मोहम्मदिया हाई स्कूल, आगरा के बाद सनातन धर्म हाई स्कूल और राजकीय इण्टर कालेज इटावा में हिन्दी प्रवक्ता रहे।वर्ष 1963 में आपको राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया।

आपकी कृतियों में चंद्रवरदाई, विविध निबंध, देव की दीपशिखा, पद्माकर की पद्मप्रभा आदि प्रमुख हैं।आपके निधन पर भैया साहब श्रीनारायण चतुर्वेदी ने लिखा था कि बृज भाषा का ऐसा मार्मिक ज्ञाता अब हिन्दी संसार में कोई नहीं रहा।चतुर्वेदी जी को क्षेत्र में आदर्श शिक्षक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके विद्यार्थी अभी भी उनकी याद एक प्रेरणा स्रोत के रूप में करते हैं।बृज साहित्य मंडल में आप दादा बनारसी दास चतुर्वेदी के अतिशय आत्मीय रहे। आपने साहित्य मनीषी पंडित लक्ष्मी निधि चतुर्वेदी स्मृति ग्रंथ तथा उत्तर प्रदेश में इंटरमीडिएट की हिन्दी पुस्तक काव्यांजलि का भी संपादन किया है।

श्री महेश प्रसाद जी चतुर्वेदी (पाण्डे)

श्री चतुर्भुज प्रसाद जी के पुत्र श्री महेशप्रसाद जी का जन्म मैनपुरी में हुआ था। आपने सन 1932 ई० में बी०एस०सी० तक

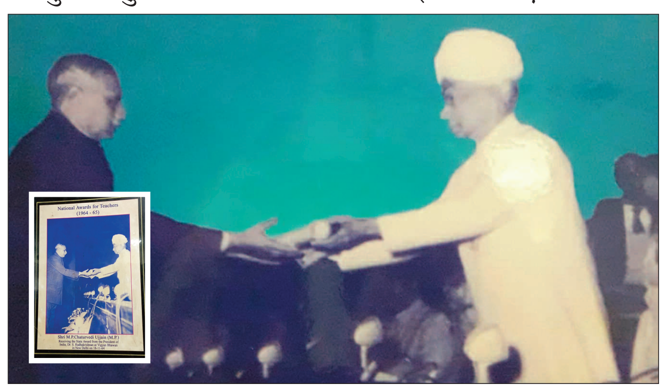

शिक्षा प्राप्त की तथा सन 1937 ई० तक ग्वालियर में गोरखी स्कूल में अध्यापक रहे, तदुपरान्त पदोन्नत होकर व्याख्याता के पद पर अशोक नगर (जिला गुना) चले गए। वहाँ से जगह–जगह स्थानान्तरित होते रहने के उपरान्त आप हायर सेकेन्डरी स्कूल उज्जैन में प्राचार्य के पद पर आये। यहीं से आपने अवकाश ग्रहण किया। आप जहाँ–जहाँ भी रहे अपनी योग्यता की छाप छोड़ी। उन्हें जितनी ख्याति शिक्षक के पद पर मिली उससे कहीं अधिक वे प्राचार्य के पद पर लोकप्रिय हुए। 'सादा जीवन उच्च विचार उनके जीवन का मूलमंत्र रहा। उनके सौम्य व्यक्तित्व में मिलन–सरिता, सहज स्नेह जैसे सद्गुणों का समन्वय था। सेवाकाल के अंतिम दिन तक आपने शिक्षा जगत की जिस लगन और निष्ठा से सेवा की, वह सराहनीय रही। बहुमूल्य सेवाओं के फलस्वरूप आपको मध्य

प्रदेश सरकार द्वारा एक आदर्श शिक्षक के रूप में और सन 1964 ई० में राष्ट्रपति पुरस्कार से आप सम्मानित किए गए । सुना गया आप जब मैनपुरी आते थे तो सबसे पहले पं० देवकीनन्दन जी के चरणों में बैठते थे। वे यहाँ बालकों को गणित तथा अंग्रेजी पढ़ा दिया करते थे। वे बड़े शांतप्रिय थे। इनके अभिन्न मित्र श्री रूप किशोर पाण्डे हैं। आप अपने पुत्र राजेन्द्रप्रसाद के पास गंगा–यमुना–सरस्वती के तट प्रयाग में बैकुण्ठ लोक को सिधारे। आपके अनुज श्री पुरुषोत्तम दास जी (छुटकन) हैं तथा आपके पुत्र श्री कैलाशचंद्र, श्री राजेन्द्र प्रसाद तथा श्री दिलीपकुमार हैं। 1964 मैं प्राचार्य महाराज बाड़ा बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उज्जैन के प्राचार्य पद पर रहते हुए शिक्षकों के राष्ट्रीय पुरस्कार से राष्ट्रपति डॉक्टर राधा कृष्णन जी द्वारा सम्मानित किया गया।

ब्रजभाषा और हास्य रस के सिद्धहस्त कवि शिक्षा जगत की गौरव पंडित नरेंद्र नाथ चतुर्वेदी

आप ग्राम पुरा निवासी चतुर्भुज दास जी के पुत्र थे। जब आप केवल ढाई वर्ष के थे तब आपके पिता और माता दोनों का 15 दिन की अंतर से एक भयंकर बीमारी के कारण स्वर्गवास हो गया।

मैनपुरी, आगरा, लखनऊ से आपने एम.ए., एल.टी. की शिक्षा प्राप्त की। किशोरी रमण कॉलेज, मथुरा, म्युनिसिपल इंटर कॉलेज, वृंदावन, रायबरेली, जायस आदि स्थानों पर आपने शिक्षण कार्य किया। सन 1943 से क्वेश्चन इंटर कॉलेज मैनपुरी में शिक्षण कार्य प्रारंभ किया और वहीं से सन 1976 में अवकाश प्राप्त किया। इस बीच में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने सन 1958 में अंग्रेजी माध्यम से जिलाधिकारियों को हिंदी की शिक्षा देने के लिए आप को नियुक्त किया, किंतु स्वाभिमानी प्रवृत्ति को ठेस पहुंचने के कारण आपने वहां से त्यागपत्र दे दिया। सन 1970 में भारत सरकार ने आपको राष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार देश के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री गोपाल स्वरूप पाठक जी द्वारा 17 सितंबर 1970 को दिल्ली में प्रदान किया गया। आपके बाल साहित्य के सिद्धहस्त लेखक थे। आपकी निम्न पुस्तकें प्रकाशित हुई::–

बाल साहित्य – भारत के आदिवासी, दक्षिण के देश दीपक, हमारे रणबांकुरे, भारत के अमर सेनानी, बापू की सीख, हमारे नारी रत्न, कथा सागर की बूंदे, कहावतों के कह कहे।

आपके संपादन में निम्न पुस्तकें प्रकाशित हुई ::– इंटरमीडिएट गद्य गरिमा उमराव सिंह पांडे स्मृति ग्रंथ, श्री सतीश चंद्र चतुर्वेदी दद्दा स्मृति ग्रंथ।

ब्रजभाषा हास्य रस और खड़ी बोली के कवि– आप सफल मंचीय कवि थे। आपका काव्य संकलन कविताई की गैल का लोकार्पण हिंदी के अनन्य साधन श्री प्रेम शंकर गुप्ता, सेवा निवृत मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा किया गया। इस काव्य कृति का संपादन साहित्य वरिधि डॉ. राजेश्वर प्रसाद चतुर्वेदी डी.लिट. द्वारा किया गया। आपकी आत्मा मैनपुरी जनपद की प्राचीनतम साहित्य संस्था श्री माथुर चतुर्वेदी पुस्तकालय, मैनपुरी में निवास करती थी। जिसकी उन्होंने आजीवन प्राण प्रण से सेवा की। अनेक साहित्य मनीषियों के बाहुबल पर भव्य आयोजन करवाये। आपकी मृत्यु 23 जनवरी सन 1996 को मैनपुरी में हुई।

श्री महेश कुमार चतुर्वेदी सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण चतुर्वेदी

श्री महेश कुमार चतुर्वेदी सुपुत्र श्री लक्ष्मीनारायण चतुर्वेदी, जन्मतिथि–1 जून 1954, शैक्षणिक योग्यताःबी.ए., बी.एड.

पुरस्कृत वर्ष व स्थान : 1996, राष्ट्रस्तरीय, रा.उ.प्रा. वि. पुराना छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़

वर्तमान में कार्यरत स्थान : सेवानिवृत्त पता : शान्तिनाथजी के मंदिर के पास, छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़ (राज.)

विशेष उपलब्धियाँ : शिविरा पत्रिका के नामचीन लेखक, पिछले दो वर्षो में एक दर्जन से अधिक रचनाऐं प्रकाशित करवाने का श्रेय प्राप्त करने वाले श्री महेश कुमार चतुर्वेदी अति कर्मठ, विनम्रशील, अनुशासनप्रिय एवं सुन्दर हस्तलेखन के गुणों से ओत–प्रोत हैं। भारत सरकार द्वारा 1991 में जनगणना के लिए कांस्य पुरस्कार प्राप्त, 1992 में सी.सी.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा शिक्षक पुरस्कार से नवाजे गए श्री चतुर्वेदी कर्त्तव्य एवं कार्य के प्रति सदैव सजग व ईमानदार हैं। आपकी आकाशवाणी चित्तौड़गढ़ व उदयपुर से विद्यालय प्रसारण व राष्ट्रीय एकता संबंधी वार्ताएं निरन्तर प्रसारित होती ही रहती है। बालकों के मनोविज्ञान पर आपकी अत्यधिक रूचि होने से आप बाल कहानीकार के रूप में प्रसिद्ध व आदर्श शिक्षक हैं।

Shri Mahesh Kumar Chaturvedi (RAJASTHAN)
Receiving the Award from Honb'le Shri K.R.NARAYNAN
President of India on 5th Sept. 1997

शैक्षणिक योग्यता : बी.ए., बी.एड.

पुरस्कृत वर्ष व स्थान : 1996, राष्ट्रस्तरीय, रा.उ.प्रा. वि. पुराना छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़

संपादक के नाम पत्र

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के चुनाव की तैयारी शुरू हो रही है। ऐसे में मेरा मानना है कि आज जब हम इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में है, समाज को पहली महिला सभापति चुनने का आदर्श स्थापित करना चाहिए।भोपाल निवासी श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी का नाम उभर कर सामने आया है। ऊषा चतुर्वेदी मध्यप्रदेश की एक सफल राजनेता है।चतुर्वेदी समाज के लिए भी उनका योगदान कुछ कम नहीं है।आज आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से वह समाज में व्यापक संपर्क रखे हुए हैं। व्हाट्सएप्प पर चतुर्वेदी गुईंया नाम से ग्रुप बनाकर समाज की सैकड़ों महिलाओं को वह जोड़ चुकी हैं और इस ग्रुप पर गीत और नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं ताकि समाज की भावी पीढ़ी भी पर्व और परंपराओं के महत्व को जान सके एवं सीख सकें।

मुझे लगता है कि माथुर चतुर्वेदी महासभा पहली बार किसी महिला को सभापति चुनने का गौरव हासिल करेगा ही इसके साथ श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी के विराट राजनीतिक और सामाजिक कार्य अनुभव का लाभ प्राप्त करेगा।

– **श्रीमती लक्ष्मी परमेश चतुर्वेदी**
(होलीपुरा / मैनपुरी / ग्वालियर)

***

चंद्रिका के माध्यम से ज्ञात हो रहा है कि महासभा सभापति के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होने जा रही है। इस संबंध में अपने विचार पत्रिका के माध्यम से प्रबुद्ध बांधवों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं । नारी शक्ति की बात तो हम अनेक मंचों पर करते हैं पर आगे बढ़कर हमने उन्हें कभी भी सभापति पद प्रदान नहीं किया। आधुनिक समय में महिलाएं जब प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति तक बन रही हैं, तब आज समय की मांग है कि हम चिरनिद्रा से जागे व इस ओर विशेष ध्यान देकर कदम उठाये ।अंत में सभी से सादर अनुरोध है कि इस निर्वाचन में योग्य महिला आकांक्षी को यह पद प्रदान कर नवीन चंद्रोदय के साथ स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें। पालागन

– **बृजेश चतुर्वेदी,** (मैनपुरी/भोपाल)

***

भोपाल से श्रीमती उषा चतुर्वेदी जो बाल आयोग की एवं समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष रहीं है। 20 से अधिक वर्षों तक महिला संगठनों को नेतृत्व दिया है। उन्हें समाज की समस्या, संस्कृति, विकृति व विकास की अच्छी पहचान है। उन्हें महासभा का अध्यक्ष बनाना चाहिए। उनकी वर्तमान सक्रियता व रचनात्मकता किसी से छिपी नहीं है। वह किसी पहचान की मोहताज भी नहीं है। समाज की एकमात्र महिला जो लगभग 10 वर्षों तक मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रही। वे दो बार महासभा की उपाध्यक्ष रही और इस कार्यकाल में महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के होने के नाते देश–विदेश की महिलाओं को जोड़कर समाज की संस्कृति को सभी के बीच में लाने का कार्य किया है। उनका महासभा का अध्यक्ष बना समाज के कल्याण और सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ समाज को दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

– **अलका चौबे** (मैनपुरी/जलगांव)

***

महासभा के कार्यकलापों मे महिलाओं ने सक्रियता के साथ भाग लिया है। साथ ही इसके विभिन्न पदों को भी सुशोभित किया है, लेकिन आज तक किसी भी महिला को नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त नहीं हुआ है।युवाओं व महिलाओं को प्रोत्साहित करना उषा जी की विशेषता है। अतः समाज से मेरा निवेदन है कि इस बार सभापति पद हेतु समाजसेवी महिला श्रीमती उषा के नाम पर सहमति प्रदान करें।

– **अंजना चतुर्वेदी,** भोपाल

***

आगरा में महासभा की कार्यकारिणी बैठक का बहुत ही सफल आयोजन हुआ। मैं, सभापति जी एवं कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूं। आगरा सभा ने, माननीय मुकेश जी के नेतृत्व में एक अविस्मरणीय व्यवस्था की। आत्मीयता, सौहार्द, प्रेम से सभी को आल्हादित कर दिया। यह परस्पर सहयोग हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। सभी को पुनः बहुत बहुत धन्यवाद आभार और बधाई। सादर पालागन ।

– **ले०ज० विष्णु कांत चतुर्वेदी,** नोएडा

***

पालागन

महोदय आगरा में आहूत श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल को अल्लाहदित कर गयी। आगरा के बंधुओं द्वारा संपूर्ण कार्यकारिणी की व्यवस्था व्यवस्थित, सुरुचि पूर्ण एवं आथित्य से भरपूर थी। कार्यकारिणी में आदरणीय अध्यक्ष डॉ प्रदीप चतुर्वेदी का अतिसंवेदनशील एवं भावनात्मक रूप देखने को मिला। समाज के एक दुखी परिवार के दुखों पर मरहम लगाने का संपूर्ण कार्य किया तथा समाज के बंधुओ ने अध्यक्ष जी की बात का मान रखते हुए दिल खोलकर सहातार्थ समर्थ अनुसार राशि प्रदान की। माथुर चतुर्वेदी सभा के कार्यकारिणी के सदस्य अधिकाधिक उपस्थित थे। वृद्ध जनों का सम्मान गौरव सम्मान प्रदान कर कार्यक्रम में चार चांद लग गए। माननीय अध्यक्ष जी एवं सचिव जी द्वारा प्रत्येक कार्यकारिणी सदस्य की चिंता करना मन में अतिरिक्त खुशी प्रदान कर गया। उनकी अर्धांगिनी सम्माननीय अनुपमा चतुर्वेदी जी उनके कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही थी दोनों को साधुवाद, शुभकामनाएं, बधाई

– **उषा चतुर्वेदी** (भोपाल)

***

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा के आमंत्रण पर महासभा कार्य समिति की बैठक में गत 13 अगस्त 2023 को शामिल हुआ। आगरा सभा के युवा बांधवों का आत्मीय आतिथ्य कोलकाता से आगरा की यात्रा की सारी थकान हर ले गया। बैठक की सुनियोजित,सुव्यवस्थित, सुगंधित, सुंदर एवं सफल व्यवस्था की जितनी प्रशंसा की जाए कम ही है। आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण रूप से समर्पित भाव के साथ सर्वश्री मुकेश जी, आशीष जी (रानू), रोहित जी, पराग जी, मनीष जी,अमित जी एवं अन्य बान्धवों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। पारंपरिक रूप से सुगंध छिड़क कर तथा चंदन लगाकर सभी अतिथियों का स्वागत अच्छा लगा। योगी कथामृत पुस्तक भेंट स्वरूप देने का चुनाव भी उल्लेखनीय रहा। बैठक में उपस्थिति भी 55 से अधिक रही जो कि अधिक कही जा सकती है। बैठक में कई उल्लेखनीय निर्णय भी हुए तथा हमारे संस्कार और संस्कृति पर विचार सारगर्भित रहे। कुल मिलाकर बैठक सफल, सार्थक एवं सुव्यवस्थित रही जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एक बार पुनः हार्दिक बधाई,आभार।

– **भरत चतुर्वेदी,** रिसड़ा

***

आगरा में आयोजित महासभा की कार्यकारिणी बैठक का सफल आयोजन हुआ। मैं,सभापति जी एवं कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूं। आगरा सभा ने माननीय मुकेश जी के कुशल नेतृत्व में एक सफल आयोजन किया। इसके लिए आगरा सभा की कार्यकारिणी का ह्रदय से आभार, प्रेमभाव से की गई मेहमान नवाजी ने सभी का मन मोह लिया। सभी को पुनः बहुत बहुत धन्यवाद आभार और बधाई। सादर पालागन

– **महेश चतुर्वेदी,** दिल्ली

***

आगरा सभा ने जिस भावनात्मक आदर भाव से कार्यकारिणी का स्वागत किया। वह सचमुच प्रेरक है। हर व्यवस्था शानदार रही, आप सबको इस सुव्यवस्थित समारोह के लिए बहुत बहुत बधाई। आगरा वैसे भी अतिथि देवो भव की परंपरा को निभाता आया है। आपने इस परंपरा में चार चांद लगाए। इसके लिए बहुत बहुत साधुवाद। आभार।

– **श्री कुश चतुर्वेदी,** इटावा
(पूर्व संपादक चतुर्वेदी चंद्रिका)

***

बंधुवर पालागन,

13 अगस्त 2023 को श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आगरा विजय नगर क्लब में संपन्न हुई। श्री माथुर चतुर्वेदी सभा,आगरा के द्वारा जिस तरह से कार्यकारिणी की मीटिंग में व्यवस्थाएं की गई वह अत्यंत प्रभावित करने वाली थी। कई विषयों पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में चर्चा हुई तथा ट्रेन एक्सीडेंट में आशीष (बाह) की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की गई तथा 111000 की आर्थिक मदद भी की गई। श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा की कार्यकारिणी में एकजुटता की वजह से सुंदर व्यवस्थाएं हो सकीं भोजन की व्यवस्था बहुत अच्छी थी। श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा को बहुत–बहुत बधाई शुभकामनाएं आशा है कि इसी तरह एकजुट रहकर समाज को नए कीर्तिमान पर ले जाएंगे।

– **प्रवेश चतुर्वेदी,** कानपुर

***

सम्पादक जी पालागन।

जब 13 अगस्त 2023 को आगरा में महासभा कार्यकारिणी मीटिंग होने की जानकारी मिली तो अनायास ही याद आया कि मैं कार्यकारिणी की पहली मीटिंग 17अगस्त 2018 को आगरा में ही विजय नगर क्लब में पहली बार शामिल हुआ था। तभी मीटिंग में शामिल होने की प्रबल इच्छा हो रही थी, लेकिन परिस्थितियांवश जाना संभव नहीं लग रहा था, पर हुए वहीं जो राम रच राखा, मैं शनिवार 12 अगस्त को दोपहर 1बजे पीजीआई लखनऊ में कार्यरत था, प्रभु की महिमा शंशाक जी व दिवस जी के सद्प्रयासो से रात 8 बजे आगरा पहुंच गया।

आगरा में होटल में मुकेश जी की टीम के आतिथ्य से मन मोहित हो गया। 13 अगस्त को सुबह पालागन–पालागन, के साथ ही प्रेमपूर्ण अभिनंदन एवं स्वादिष्ट जलपान के बाद सामाजिक सम्मेलन की शुरूआत हुई, मीटिंग में कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति सामान्य से अधिक थी। मंगलाचरण के बाद फरौली मीटिंग की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हुई, स्वास्थ्य बीमा पर ललित जी की अनुपस्थिति के कारण चर्चा न हो सकी। अध्यक्ष डॉ प्रदीप जी ने 18 मार्च को विश्व मंच पर आयोजित सफल आनलाइन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि विश्व मंच पर महासभा की गतिविधियां बढ़ रही है। महासभा की अन्नपूर्णा योजना,छात्र वृत्ति योजना एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा के साथ ही अपने संस्कारों एवं परम्पराओं को किस तरह संरक्षित किया जाए, इस विषय पर जनरल विष्णु कांत जी, डॉ कुश जी, उपाध्यक्ष उषा जी ने अपने विचार रखते हुए सभी से इस दिशा में सभी के सहयोग का आग्रह किया। सदस्यता संशोधन की तिथि 5 सितंबर हो गई है। आगरा के स्थानीय बांधवों की भीड़ के बीच बृद्धजनों के सम्मान एवं सांस्कृतिक आयोजन के बाद राजस्थानी भोजन की आवभगत से मीटिंग यादगार रही।

– **दिलीप सिकंदरपुरिया,** लखनऊ

***

धन्यवाद / आगरा

मिठास और मुहब्बत की नगरी आगरा में श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा (R) द्वारा आयोजित श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक का आयोजन जिस मनोभाव से आयोजित किया गया। इसी मनोभाव से राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्यों ने आनंदित और साकारत्मक भाव से हर्षित माहौल में स्वीकार किया। रात्रि सहभोज के उपरांत कुल्लड़ वाला दूध ने मजा ही बांध दिया। जिसका कोई जवाब नही दिया जा सकता। सुबह उठते ही फिर जिस कार्य उद्देश से महासभा राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्य एकत्रित हुए थे, सभा स्थल पर सुबह के मनोहारी नाश्ते उपरांत आधुनिकता से परिपूर्ण सफल बैठक आदरणीय डा. प्रदीप चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक उपरांत जो भोजन पंगत परंपरा के अनुरूप परोसा गया उसने तो मन ही जीत लिया। मन और दिल से परोसे गए भोजन ने मेरा पेट तो भर दिया पर नीयत को नहीं भर पाया। एक बार पुनः श्री मुकेश चतुर्वेदी अध्यक्ष व सम्पूर्ण श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा (R) की कार्यकारणी को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई।

– **अभय राज,** गुरुग्राम

***

आगरा की कार्यकारिणी पर आगरा शाखा सभा और आप कार्यकर्ताओ का जोश और अपनत्व से अभिभूत हैं। कोई कौना ऐसा नजर नहीं आया, जिसमें यह लगे कि इसे आप लोगों ने नहीं छुआ हो। आप लोगों का उत्साह गजब था। चार चांद लगाए समाज की बड़ी संख्या की उपस्थिति से आश्चर्यचकित था। पूरी शाखा सभा को भव्य आतिथ्य के लिए धन्यवाद और साधुवाद। हमारी शुभकामनाएं और भव्य आयोजन की बधाई पूरी टीम को। पुनः सबका आभार।

– **शिव नारायण चतुर्वेदी,** कोटा

***

प्रिय बन्धुवर,

पालागन,

आगरा सभा द्वारा बहुत ही व्यवस्थित एवं भव्य आयोजन रहा, टीम वर्क उत्कृष्ट था और सबसे बड़ी बात आगरा टीम ने गजब की आत्मीयता दर्शा कर सभी कार्य कारिणी सदस्यों का दिल जीत लिया। आगरा टीम इस सफल आयोजन के लिए बधाई की पात्र हैं। समसामयिक विषयों पर चर्चा कारगर रही। आगरा सभा एवं महासभा को बधाई एवं धन्यवाद।

– **डॉ. मनीष चतुर्वेदी,** कोटा

***

आगरा में महासभा बैठक के आयोजन के विषय में इतना ही कह सकता हूँ कि यह आयोजन एक मिसाल है। धन बहुत लोगों के पास होता है पर मन हरेक के पास नहीं होता। आगरा सभा ने यह कर दिखा दिया। पुनः बधाई देता हूँ। अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष, कपिल जी, अमित पांडे, पराग व संपूर्ण टीम के सभी सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

– **श्री विपिन चतुर्वेदी,** लखनऊ

***

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा द्वारा आयोजित कार्यकारिणी की मीटिंग बहुत ही सुन्दर ढंग से शुरू हुईं , सभी सदस्य बहुत उत्साह और उमंग से कार्य कर रहे थे, सभी को बहुत बहुत बधाई, सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं डाक्टर प्रदीप चतुर्वेदी जी और मुनींद्र जी के प्रयासों से समाज ऊंचाई पर पहुंच गया है, मुनींद्र जी का संचालन बहुत उत्तम था, बधाई माननीय संरक्षक ले.जन.वी .के.चतुर्वेदी का महासभा के सौ वर्षो के इतिहास के संबंधित बताकर सभी को प्रेरित किया, आगरा सभा को बहुत बहुत बधाई, धन्यवाद एवं पालागन।

– **प्रदीप चतुर्वेदी (संजू),** गाजियाबाद

***

13 अगस्त 2023 को आयोजित महासभा की कार्यकारणी की बैठक आगरा में वाटरबक्स के पास हुई इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने 12 अगस्त शनिवार को ग्वालियर से मैं अपने सजातीय साथियों व अपने पुत्र आयुष के साथ बाह,बटेश्वर नाथ के दर्शन करते हुए शाम 4 बजे आगरा पहुँचा। वहां के लोगों की आवभगत,आत्मीयता से दिल सराबोर हो गया। बहुत ही उच्च कोटि की व्यवस्था और अपनत्व से स्वतः ही आभास हो गया कि कितने लगन और घोर परिश्रम से आयोजक लगे हुए थे। शाम के नाश्ते में कई प्रकार के व्यंजन प्रत्येक व्यक्ति कमरे में जाकर मनुहार करते हुए खिला रहे थे। रात्रि में डिनर में भी स्वादिष्ट व्यंजन के बाद ही रात्रि 11 बजे सभी के कमरों में जा जाकर गर्म दूध पिलाना। पुराने समय की बारातों की यादें ताजा कर दी। 13 को रविवार सुबह जल्दी तैयार होकर बल्केश्वर महादेव के दर्शन कर मीटिंग स्थल पहुंचे वहां की साज सज्जा दर्शनीय थी। सभी कार्यकारणी सदस्यों का सम्मान के साथ बैठक आरंभ हुई। जिसमें कई सामाजिक हित में फैसले लिए गए। आगरा के स्थानीय बांधवों की अपार उपस्थिति से मन गदगद हो गया। दोपहर का भोजन पारंपरिक तरीके से बैठकर पंगत में खिलाना बीते दिनों की यादों को हरा कर रहा था। उक्त समूचे सफल आयोजन के लिए में आगरा के कार्यकर्ताओं को साधुवाद देता हूँ। आपका सामाजिक कार्यों में ऐसे समर्पण भाव बना रहे पालागन।

– **करुणेश चतुर्वेदी,** ग्वालियर

***

संपादक के नाम पत्र

13 अगस्त 2023 को आगरा में श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं सम्मान समारोह श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा (रजि.) द्वारा आयोजित किया गया। धन्यवाद है आयोजकों एवं कार्यकर्ताओं का जिन्होंने सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से कार्यक्रम को सम्पन्न कराया। सभागार में उपस्थित सम्मानित वृद्धजनों का सम्मान सभापति डॉ. प्रदीप जी एवं मंत्री श्री मुनींद्र नाथ जी द्वारा किया गया। सभापति डॉ. प्रदीप जी ने महासभा द्वारा रु. 1,11,000/– की राशि सहायता स्वरूप स्व. श्री आशीष चतुर्वेदी (कमतरी/ बाह) की अल्पायु में आकस्मिक निधन पर दिवंगत के परिवार को प्रदान करने की घोषणा की एवं उपस्थित बांधवों से अपील की। मात्र 5 मिनट में यह राशि एकत्रित हो गई। यह एक अनुकरणीय उदाहरण है।

– **लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी** (गाजियाबाद)

***

संपादक के नाम पत्रश्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा के आमंत्रण पर महासभा कार्य समिति की बैठक में गत 13 अगस्त 2023 को शामिल हुआ। आगरा सभा के युवा बांधवों का आत्मीय आतिथ्य कोलकाता से आगरा की यात्रा की सारी थकान हर ले गया । बैठक की सुनियोजित, सुव्यवस्थित, सुगंधित, सुंदर एवं सफल व्यवस्था की जितनी प्रशंसा की जाए कम ही है। आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण रूप से समर्पित भाव के साथ सर्वश्री मुकेश जी, रोहित जी, पराग जी, मनीष जी, अमित जी एवं अन्य बान्धवों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। पारंपरिक रूप से सुगंध छिड़क कर तथा चंदन लगाकर सभी अतिथियों का स्वागत अच्छा लगा। योगी कथामृत पुस्तक भेंट स्वरूप देने का चुनाव भी उल्लेखनीय रहा। बैठक में उपस्थिति भी लगभग 60 रही, जो कि अधिक कही जा सकती है। बैठक में कई उल्लेखनीय निर्णय भी हुए तथा हमारे संस्कार और संस्कृति पर विचार सारगर्भित रहे। कुल मिलाकर बैठक सफल, सार्थक एवं सुव्यवस्थित रही। जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकबार पुनः हार्दिक बधाई,आभार।

– **भरत चतुर्वेदी,रिषड़ा**

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

13 अगस्त 2023, आगरा

दिनाँक 13 अगस्त 2023 को श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक विजय क्लब आगरा में अपने नियत समय पर आहूत की गई। आयोजकों द्वारा सर्वप्रथम महासभा के संरक्षक श्री विष्णु कांत जी (नोएडा) सभापति डॉ. प्रदीप जी (दिल्ली), उपसभापतियों श्रीमती ऊषा जी (भोपाल), कैलाश जी (कासगंज), विनोद जी (मुंबई), मंत्री श्री मुनीन्द्र जी(नोएडा) सह मंत्री – श्री भरत जी (रिषड़ा), आशुतोष जी (कानपुर), अंशुमान जी (जयपुर), कोषाध्यक्ष महेश जी, व चतुर्वेदी चंद्रिका के संपादक श्री शशांक जी (भोपाल) को मंचासीन कराया गया। साथ ही सभा में उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों से अपना आसन ग्रहण करने का अनुरोध किया। तत्पश्चात सभी मंचासीन अतिथियों से दीप प्रज्वलन कर व कुल देवियों के फोटो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत का आग्रह किया गया। संरक्षक श्री विष्णु कांत जी, महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप जी सहित संपूर्ण कार्यकारिणी का औपचारिक स्वागत व अभिनंदन श्री मुकेश जी के नेतृत्व में आगरा सभा की कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा बड़ी आत्मीयता से शाल, "पालागन" लिखित उत्तरी व मोतियों की माला पहना कर किया गया। इसके बाद आगरा की कु.अनुश्री द्वारा गणेश वंदना पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में कु.पूर्वी पांडे व कु.अन्वी पांडे द्वारा सरस्वती वंदना पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। श्री आशीष जी (आगरा), श्रीमती निधि जी (आगरा) व श्री सुमंत जी (भोपाल), असीम जी (आगरा) द्वारा स्व.सुभाषजी– स्व. शकुंतला जी (आगरा) की स्मृति में सभी कार्यकारिणी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

बैठक की स्वागत सत्र की समाप्ति पर आगरा सभा के मंत्री राकेश जी ने बैठक का कार्यवाही आगे बढ़ाने के लिए कार्यभार महासभा के मंत्री श्री मुनींद्र नाथ जी को सौंप दिया।

बैठक को आगे बढ़ते हुए मुनींद्र जी ने श्री विनोद जी (मुंबई) को मंगलाचरण हेतु आमंत्रित किया। आपने मंगलाचरण अपने मधुर कंठ के द्वारा प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात महासभा की बैठक की कार्रवाई को आगे बढ़ते हुए विगत कार्यकारिणी की रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण डॉ. प्रदीप जी ने किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

इसके बाद कोषाध्यक्ष महेश जी द्वारा विगत वर्ष की आय–

व्यय का लेखा–जोखा सदन के सामने प्रस्तुत किया। जिसे अभय राजजी (गुड़गांव) व विशाल जी (पुरा, आगरा) की मदद से सभी कार्यकारिणी सदस्यों को वितरित किया गया। इस विषय पर श्री ज्ञानेंद्र जी (नागपुर) ने अपने विचार रखें।

अभय राज जी (गुड़गांव) ने महासभा द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर के प्रकाशन पर जानकारी माँगी। जिस पर सभापति ने बताया कि प्रकाशन की अनुमति कार्यकारिणी द्वारा दी गई थी। साथ ही सभापति जी ने प्रस्ताव रखा, कि इस वर्ष के 500 कैलेंडर प्रकाशित किये जायेंगे। जिसकी सभा ने सहर्ष अनुमति प्रदान की। साथ ही सभापति प्रदीप जी के आग्रह पर पत्रिका के लिए 1 वर्ष के लिए एक कलर पेज का विज्ञापन देने की घोषणा की। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से इस आय व्यय के ब्यौरे को पारित कर दिया। इसके बाद संस्कारों की रक्षा विषय पर चर्चा करते हुए डॉ. कुश चतुर्वेदी (इटावा) ने अपने सार्थक विचार सदन के सामने रखें। जिसमें आपने अपनी विदेश यात्रा के अनुभव को भी साझा किया। उसके साथ आपने हमारे संस्कारों यज्ञोपवीत आदि की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। इसी चर्चा में भाग लेते हुए श्रीमती उषा जी (भोपाल), अपने अपने रीति–रिवाज विवाह गीतों, भोज्य पदार्थ में आ रहे परिवर्तन का जिक्र किया। आपने हमारे

गाने को किताबों से बाहर निकाल कर वीडियो के रूप में प्रचारित व प्रसारित करने का आग्रह किया जाना चाहिए। इसी के साथ अपने छोटे-छोटे ऑडियो वह वीडियो बनाकर समाज में वितरित करने पर भी जोर की दिया। उन्होंने बताया कि लोग हर काम रीति रिवाज व धार्मिक तरीके से करना चाहते हैं, लेकिन अज्ञानता वश वे ऐसा करने में अक्षम रहते हैं, क्योंकि उन्हें बताने वाला कोई नहीं होता। श्री विनोद जी (मुंबई) ने अपने समाज के गुरुओं की उपादेयता पर प्रकाश डाला। वह समाज से इनके संरक्षण की भी मांग की।

डॉ मनीष चतुर्वेदी को (कोटा) ने युवाओं की जरूरतों अब आवश्यकताओं को सभी के सामने प्रस्तुत किया व समाज से युवान्मुखी कार्यक्रम रखने की अपील की। साथ ही युवाओं को इसमें जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। महिला प्रकोष्ठ की ओर से उषा जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि हरियाली तीज, कजरी तीज पर व हरतालिका तीज का सामूहिक अर्ग का कार्यक्रम भोपाल में किया जाता है।

महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि आप सभी के सहयोग से अन्नपूर्णा योजना सतत रूप से चल रही है। इसके बाद आपने सभी से अन्नपूर्णा योजना हेतु सहयोग की अपील की जिसमें ज्ञानेंद्र जी (नागपुर) ने बेटी श्रुति के प्राइस वाटर हाउस कंपनी नियुक्ति पर 11000/-, शशिकांत जी (आगरा) 11000/- नातिन के जन्मदिन के अवसर पर, महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप जी (दिल्ली) ने अपने जन्मदिन पर 12000/- व आयोजक आगरा सभा द्वारा 11000/-, डॉ. राकेश चतुर्वेदी (मथुरा) ने अपने बेटे सत्यम की नियुक्ति पर 11000/- , ऋषभ चतुर्वेदी (देहरादून) ने 11000/- देने की घोषणा की।

इसी क्रम में एक मानव संवेदना व समाज के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल देखने को मिली। अभी कुछ समय पूर्व में बाह जिला आगरा के एक बालक की अल्प आयु में मृत्यु हो जाने के कारण उसके परिवार हेतु सहयोग की सभापति प्रदीप जी की अपील पर 5 मिनट के अंदर एक लाख से ज्यादा रुपए एकत्र हो गए व साथ ही सभी ने शीघ्र घोषणा पूर्ति का आश्वासन भी दिया। इसी के साथ हर्ष मोहन जी आगरा ने उनके रोजगार की समुचित व्यवस्था का भी आश्वासन दिया। इस पर सभापति जी ने कहा कि मुझे आप सब के सहयोग पर गर्व है। इसी के साथ आप ने बताया कि हमारे साथी नीरज जी (हिंडौन) का इस्तीफा स्वीकृत कर लिया गया है। सभापति ने प्रस्ताव रखा की विगत समय पूर्व हमने कार्यकारिणी के कुछ साथियों को पदोन्नत किया था वह कुछ की नई नियुक्ति की थी इसके बाद अब बैठक हो रही है तो आप सब की सहमति हेतु यह प्रस्ताव में शाम आपके समक्ष रख रहा हूँ। इस बैठक के उपरांत भी हम कुछ नए साथियों को जोड़ने जा रहे हैं। जिसकी सहमति आप सभी से अपेक्षित है। सदन ने सभापति जी के इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया व उनके नाम की घोषणा कार्यकारिणी में की। तदुपरान्त सभापति जी ने कार्यकारिणी सूची में सभी के नाम जोड़ने का निर्देश संपादक को दिया।

संरक्षक श्री विष्णुकांत जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज को एक रखने की आवश्यकता है। आज विघटन के दौर में समाज को हमें एक होकर खड़े होना होगा और ईमानदारी से अपने प्रयास करने होंगे। अपने अहंकार व लालसा को त्याग कर हमें इस और प्रयास करना होंगे। महासभा के मुख्य पत्र चतुर्वेदी चंद्रिका का नियमित, ज्ञानवर्धक व सतत प्रकाशन हेतु शशांक जी बधाई के पात्र हैं।

अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. प्रदीप जी ने कहा कि यदि हम किसी को मदद का हाथ देंगे, तो हम ऊपर होंगे। यदि किसी के पैर खींचेंगे तो हम उसके नीचे होंगे। समाज में मदद की आवश्यकता है। यथासंभव मदद कीजिए। हम यदि पूरी बिल्डिंग नहीं बना सकते। तो कम से कम अपने हिस्से की एक ईंट तो लगा ही सकते हैं। ऐसे ही हम जुड़ते जाएंगे और आगे बढ़ते जाएंगे। आज से 100 वर्ष पूर्व महासभा का गठन आगरा में ही हमारे पूर्वजों द्वारा किया गया था। आज शताब्दी वर्ष समारोह में हम आगरा में महासभा कार्यकारिणी की बैठक कर रहे हैं। इसे देखकर हमारे पूर्वज जिन्होंने महासभा का गठन किया था, खुश हो रहे होंगे कि उनके द्वारा गठित संस्था ने 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

आज विभिन्न उतार-चढ़ाव, अच्छा-बुरा समय देखने के उपरांत हम यहां पर खड़े हैं। आज हमारी सभा के पास 38 लख रुपए की एफ़.डी. है। हम लगभग 42 परिवारों को भोजन व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं। हमारा कोई भी बांधव भूखा नहीं सोए। हम इस मिशन में अभी तक उत्तीर्ण रहे हैं। हमारे समाज का मुख्य पत्र चतुर्वेदी चंद्रिका भी सतत रूप से प्रकाशित कर रहे हैं। यह सभी चीज आपके सहयोग व मेरी टीम की मेहनत व परिश्रम का नतीजा है।

इस बैठक के सफल आयोजन हेतु में मुनीन्द्र नाथ जी ने कहा कि इस बैठक के भव्य व सफल आयोजन हेतु मैं सर्वश्री मुकेश जी, राकेश जी, आशीष सुभाष जी, श्रीमती निधी जी, हर्ष मोहन जी, आशीष जी (रानू), हर्षमोहन जी, पराग जी, रोहित जी व आगरा सभा की समस्त टीम का आभार व्यक्त करता हूँ। इसी के साथ मैं विगत समय में दिवंगत हमारे सज्जनों को 2 मिनट का मौन रख पुष्पांजलि अर्पित करने का आग्रह करता हूँ। इसी के साथ सभी ने 2 मिनट का मौन रख बैठक का समापन किया।

– विवरण प्रस्तुति

मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी,सचिव

शशांक चतुर्वेदी, संपादक

वृद्धजन व समाज गौरव सम्मान, आगरा

दिनाँक 13 अगस्त 2023 का दिन आपकी अपनी 77 वर्ष ऐतिहासिक श्री माथुर चतुर्वेदी सभा,आगरा (रजि0) के लिए बड़े ही सम्मान का दिन रहा, क्योंकि 15 वर्ष के पश्चात श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी बैठक आगरा को आहूत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इसके लिए हम महासभा के सभापति जी व समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक धन्यवाद देते हैं। सभा का विधिवत शुभारंभ गणेश वंदना एवम सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसी क्रम मे माँ सरस्वती एवं कुलदेवी माँ महाविद्या व माँ चर्चिका के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभा में रिकार्ड उपस्थित ने हम सभी को आत्म विभोर कर दिया। सभा को सुशोभित करने में लेफ्टिनेंट जनरल विष्णु कांत जी, महासभा के अध्यक्ष माननीय डॉ. प्रदीप जी, उपाध्यक्ष कैलाश जी, उपाध्यछा श्रीमती उषा जी, महामंत्री मुनीन्द्र नाथ जी, कोषाध्यक्ष महेश चंद जी एवम समाज के मुखपत्र चंद्रिका के ओजस्वी व युवा संपादक भाई शशांक जी के अलावा मंच पर आसीन अन्य पदाधिकारियों ने सभा में चार चांद लगा दिए। मंच से अध्यक्ष प्रदीप जी एवम महामंत्री जी ने अपने उदबोधन में समाज में हो रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। माननीय विष्णु कांत जी ने समाज में शादी विवाह में हो रही समस्याओं के विषय में एवं चंद्रिका के पूर्व संपादक डॉं कुश जी ने समाजिक विषयो पर प्रकाश डाला। ओजस्वी वक्ता उषा जी ने समाजिक परम्पराओं एव समाज के लोक गीतों पर चर्चा की इस सबके उपरांत इस अवसर पर आगरा में कार्यकारिणी के सदस्यों की रिकॉर्ड उपस्थित दर्ज की गई। तथा केवल 15 मिनट के अंदर मंच पर ही सवा लाख रुपये का कलेक्शन महासभा लोकहित कार्यो के लिए हो गया। आगरा समाज के वरिष्ठ महिला एवम पुरुषों का सम्मान महासभा अध्यक्ष डॉ प्रदीप जी व महामंत्री श्री मुनिन्द्र जी व आगरा सभा के अध्यक्ष श्री मुकेश जी ने दुशाला फटका स्मृति चिन्ह व माला आदि से किया गया। लगभग 35 वयोवृद्ध उपस्थित थे बाकी जो न आ सके उनका सम्मान घर पर किया जाएगा। इसी क्रम में समाज के गौरव प्रतिभाशाली 16 जन का भी सम्मान किया गया। सभी प्रतिभाएं अपने अपने क्षेत्र में हस्ताक्षर है और समाज के साथ आगरा शहर का भी नाम ऊचाईयां पर पहुंचाया है। सम्मान के पश्चात सुरुचिपूर्ण भोजन का आनन्द लिया। जिसमें समाज जनों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। लगभग समाज के 700 बुजुर्ग, प्रबुद्ध वर्ग, महिलाएं , बच्चों एवं दूरदराज के व आसपास शहरों से आये समाजजनों ने उपस्थित हो कर हमारे आत्मविश्वास को काफी बढाया। हम सभी आगरा सभा के कार्यकर्ता उन के आभारी व क्रृतज्ञ है। आपसी मेल मिलाप के पश्चात सभा का समापन धन्यवाद के साथ किया गया।

अध्यक्ष - मुकेश चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष - राजीव जी, डॉ. कपिल जी, महामंत्री - राकेश पाठक, संयुक्त सचिव - मनोज जी, आशीष जी, कोषाध्यक्ष - रोहित जी, मीडिया प्रभारी - अमित जी

कार्यकारिणी सदस्यः- बटुक नाथ जी, केशव देव जी, अनिल जी, पुष्कर जी, हर्ष मोहन जी, दीपक जी, पराग जी नितिन जी, विशेष आमंत्रित सदस्य- समीर जी, गोपाल जी, आशुतोष जी, मनीष जी, राहुल जी, मनीष जी, आशीष जी

– **मुकेश चतुर्वेदी, अध्यक्ष**
श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा (रजि0)

वृद्धजन सम्मान

1. श्री सत्यदेव जी विजय नगर
2. श्री उमेश जी मानस नगर
3. प्रोश्री हरेश जी सेक्टर 16
4. श्री बटुक नाथ जी
5. श्रीमती रूक्मणी देवी कमला नगर
6. श्रीमती कुमोदनी देवी बल्केश्वर
7. श्रीमती शिमला जी डॉ. कल्पना
8. श्री अजित जी पांडे अमित
9. श्री अजीत जी पी2
10. श्री अनिल कुमार
11. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी आयुष कांत
12. श्रीमती शिमला जी ब्रमेश जी
13. श्रीमती गायत्री देवी गौरव जी सेक्टर- 16
14. श्री गोपाल किंकर जी (चन्द्रपुर)
15. श्री कामेश्वर नाथ जी कैलाश पुरी
16. श्रीमती कुसुम लता पी5
17. श्रीमती ऊषा जी नीलरतन दिल्ली गेट
18. श्री प्रभाष जी टाइटन
19. श्री प्रकाश चंद दरोगा
20. श्रीमती रूक्मणी घुरे बाबू
21. श्रीमती सरला जी गौरव ca
22. श्रीमती सरला जी गोपाल प्रवीन पी52
23. श्रीमती प्रमोदनी जी पी52
24. श्रीमती कस्तूरी देवी सेक्टर 7
25. विनोदनी जी पी63
26. श्रीमती सरला जी अनुराग पार्षद ।

****

प्रतिभाओं का सम्मान

1. डॉ. निखिल जी
2. स्व. डॉ. मनोज जी
3. डॉ. संजय जी
4. डॉ. संगीता जी डॉ सौरभ जी
5. श्री हेमेंद्र जी हिंदुस्तान
6. श्री समीर जी
7. श्री राहुल जी
8. डॉ. प्रवीन जी
9. डॉ. हेमेंद्र जी
10. श्रीमती शेफाली जी
11. अनुराग जी पार्षद
12. श्रीमती शोभा जी
13. कुमारी नव्या जी
14. आयुषी अमित (नाहटोली)
15. मौलिक-आलोक

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Registered under Society Registration Act, 1860 in Agra
Registration No 409/1919-1920
Registration Renewal No R/AGR/01948/2021-2022 dt 10/10/2020

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2023

LIABILITIES	Current Year		ASSETS	Current Year	
Membership (Mahasabha) Corpus Fund			***Fixed Deposits***		
(Life and Kul Kramagat)			Central Bank of India	38,15,839	
As per last Account	12,55,226		Accured Interest on FDR	51,578	38,67,417
Add Corpus Received during the year	16,030				
	12,71,256		***Current Assets, Loan & Advances***		
Less Income Tax Refund	(55,653)	12,15,603	Tax Deducted at Source	18,875	18,875
Membership Satra Fund					
As per Last Account		3,93,312	***Cash & Bank Balances***		
			Cash In Hand	1,149	
Other Kosh/ Funds			Central Bank of India - Delhi	4,61,115	
(Annexure -I)		4,72,800			4,62,264
Annapurna Fund			***Income & Expenditure Account***		
(Annexure -III)		23,40,325	(Annexure -II)		85,284
Current Liabilites					
Auditor Fee Payable		11,800			
Total		**44,33,840**	**Total**		**44,33,840**

For Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha

As per our separate report of even date attached.
For Shiv & Associates
Chartered Accountant
Firm Registration Number 009989N

President Pradeep Chaturvedi

Secretary Muninder Chaturvedi

Treasurer Mahesh Chand Chaturvedi

CA Manish Gupta
(Partner)
Membership No 095518
UDIN23095518BGUKXG1626

Place: New Delhi
Date: 15.07.2023

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Registered under Society Registration Act, 1860 in Agra
Registration No 409/1919-1920
Registration Renewal No R/AGR/01948/2021-2022 dt 10/10/2020

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2023

EXPENDITURE	Current Year		INCOME	Current Year	
To Expenses for Patrika			By Receipts for Patrika		
Magazine Printing Expenses	7,70,270		- Special Advertisement	7,27,501	
Magazine Distribution Expenses	73,600		- Special Help for Patrika	60,407	
Postage & Courier	76,812		- 5 Years Membership for Patrika	13,000	
		9,20,682			8,00,908
To Donations -			By Special Help		
- for Education	70,800		- for Education	21,000	
- for Annapoorna	8,76,000		- for Annapoorna	8,62,642	
- for Mahila	6,000		- for Mahasabha	3,12,297	
- for Others	20,450		- for Mahavidya	38,957	
		9,73,250	- for Others	18,300	
					12,53,196
To Auditor Remunartion		11,800	By Interest Income		
To Bank Charges		1,191	-On FDR's	1,88,607	
To Designing Expenses		5,300	-On Saving Account	16,280	
To Calender Printing Expenses		30,680			2,04,887
To Book Printing Expenses		1,87,461			
To Conveyance Expenses		4,400			
To Zoom Meeting Subscription Expenses		23,969			
To Miscellaneous Expenses		6,060			
To Printing & Stationery		42,799			
To Website Development Exp		4,130			
To Professional Charges		3,000			
To Trademark Registration Exp		9,000			
To Excess of Income over Expenditure		35,269			
Total		22,58,991	**Total**		22,58,991

For Shri Mathur Chaturvedi Mahasabha

President Pradeep Chaturvedi

Secretary Muninder Chaturvedi

Treasurer Mahesh Chand Chaturvedi

As per our separate report of even date attached.
For Shiv & Associates
Chartered Accountant
FRN 009989N

CA Manish Gupta
(Partner)
Membership No 095518
UDIN 23095518BGVKXG1626

Place: Delhi
Date: 15.07.2023

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

		Amount (Rs.) Annexure-I
Other Kosh / Funds as at 31.03.2023		
A	**Special Education Fund** As per last Account	51,800
B	**Kanya Chikitsha Kosh** As per last Account	1,00,000
C	**Malvidya Corpus Fund** As per last Account	1,00,000
D	**Mahila Sahitya Kosh** As per last Account	1,21,000
E	**Ayurvedic Study Corpus Fund** As per last Account	1,00,000
	Total	**4,72,800**

Annexure - II

Income & Expenditure Account (Cr. Balance) as at 31.03.2023	
As per last Account (Dr. Balance)	1,20,553
Less: Excess of Income over Expenditure	35,269
Net Excess of Income over Expenditure	**85,284**

Annexure - III

Prepayment of Amount received for Annapoorna

Particulars	**Amount (Rs.)**
Opening Balance as on 01.04.2022	**23,18,100**
Add: Fund Received during the year	8,84,867
Less: Fund Transfer to Income & Expenses	8,62,642
Balance at the end of the year 31.03.2023	**23,40,325**

SHIV & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

SHRI MATHUR CHATURVEDI MAHASABHA

Detail of FDR's at Central Bank of India-Delhi as on 31.03.2023

Annexure-III

S.No.	FDR No.	Account No.	Effective Date	Maturity Date	Period	Interest Rate	Principal Amt	Accrued Interest	New Principal Amt	Maturity Value
1	598763	3085613326	27-10-2022	27-10-2023	1 Year	5.55%	21,000	-	21,000	21,000
2	598766	3118683186	27-04-2022	27-04-2023	1 Year	5.00%	21,000	-	21,000	21,000
3	598767	3048904023	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	26,662	-	26,662	26,662
4	598768	3048902616	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	27,740	-	27,740	27,740
5	598769	3048904679	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	28,063	-	28,063	28,063
6	598749	3048904250	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	38,970	-	38,970	38,970
7	598748	3048904329	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	50,019	-	50,019	50,019
8	598750	3048903904	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	50,102	-	50,102	50,102
9	598770	3048903507	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	75,123	-	75,123	75,123
10	634018	3050342455	27-07-2022	27-07-2023	1 Year	5.25%	76,113	-	76,113	76,113
11	598751	3048904136	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	78,345	-	78,345	78,345
12	598762	3197057518	08-02-2023	08-02-2024	1 Year	6.75%	1,00,000	-	1,00,000	1,00,000
13	598861	3226610544	06-07-2022	06-07-2023	1 Year	5.20%	1,00,000	-	1,00,000	1,00,000
14	634100	3638138682	10-09-2022	10-09-2023	1 Year	5.45%	1,00,000	-	1,00,000	1,00,000
15	598865	5120025910	08-07-2021	08-07-2024	3 Years	5.10%	1,00,000	-	1,00,000	1,16,420
16	598757	3759449655	10-04-2023	27-06-2024	444 D	7.10%	1,21,616	-	1,21,616	1,32,463
17	587182	3848209928	05.10.2022	05.10.2023	1 Year	5.45%	1,05,778	3,922	1,09,700	1,15,802
18	598765	3848211053	28-12-2022	27-07-2023	211 D	5.25%	1,06,871	2,653	1,09,524	1,12,887
19	598862	3848210491	28.02.2022	27.12.2023	302 D	5.50%	1,05,312	5,043	1,10,355	1,15,472
20	634017	3050342353	27-07-2022	27-07-2023	1 Year	5.25%	1,19,583	-	1,19,583	1,19,583
21	598771	3048904545	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	1,19,869	-	1,19,869	1,19,869
22	598775	3667160726	10-04-2023	27-06-2024	444 D	7.10%	1,25,546	5,162	1,30,708	1,42,367
23	598776	3667161221	10-04-2023	27-06-2024	444 D	7.10%	1,27,792	4,225	1,32,017	1,43,792
24	598772	3048904421	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	1,30,236	-	1,30,236	1,30,236
25	598756	3573888207	06-12-2022	06-12-2023	1 Year	6.15%	1,41,655	-	1,41,655	1,50,570
26	598423	3862325029	02.11.2020	02.11.2027	7years	5.00%	1,50,000	-	1,50,000	1,50,000
27	598758	3747210407	22-01-2022	22-01-2023	1 Year	5.00%	2,00,000	-	2,00,000	2,00,000
28	598421	3862323780	02.11.2020	02.11.2027	7years	5.00%	2,00,000	-	2,00,000	2,00,000
29	598422	3862323917	02.11.2020	02.11.2027	7years	5.00%	2,00,000	-	2,00,000	2,00,000
30	634016	3050342568	27-07-2022	27-07-2023	1 Year	5.25%	2,46,139	-	2,46,139	2,46,139
31	634304	5197380284	03-02-2023	03-02-2024	1 Year	6.75%	2,61,454	-	2,61,454	2,79,554
32	598774	3048903347	04-04-2022	04-04-2023	1 Year	5.00%	4,60,851	-	4,60,851	4,60,851
Total							**38,15,839**	**21,005**	**38,36,844**	**39,29,142**

गया श्रद्धा तुल्य भरणी श्राद्ध

- डॉ. सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी
सहित्याचार्य, मथुरा

शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य श्रद्धा पूर्वक पितरों के निमित्त जो कर्म करता है। उसे हम श्राद्ध कहते हैं।

श्रध्या पितृम उदिदश्य विधिना क्रियते यत्कर्म तत-श्राद्धम।

एवम उपनिषद कहते हैं

देव पितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम।

अर्थात देवता एवं पितरों के कार्य में कभी भी प्रमाद नहीं करना चाहिए। अपने घर के अतिरिक्त बद्रीधाम, पुष्करराज एवं गया में श्राद्ध करने का विशेष महत्व माना गया है।

देवी भागवत में कहा गया है कि :-

जीवतो वाक्य करणात, क्षमा है भूरि भोजनात।
गयायां पिंड दानाच्च त्रिभिपुर्त्रस्य पुत्रता।।

अर्थात जीवन पर्यंत माता पिता की आज्ञा का पालन करने, श्राद्ध में भोजन कराने तथा गया तीर्थ में पितरों का श्राद्ध करने वाले पुत्र का पुत्रत्व सार्थक है। किंतु परिस्थितिवश सभी लोग गया जाने में असमर्थ रहते हैं। पर वे अपने पितरों में अपार श्रद्धा भी रखते हैं। उनके लिए घर में ही किया जाने वाला भरणी श्राद्ध गया श्राद्ध के समान फल देने वाला है।

महालय अर्थात पितृपक्ष में प्रायः चतुर्थी या पंचमी तिथि को अपराह्न काल में भरनी नामक नक्षत्र होने पर यह श्राद्ध किया जाता है। यह नक्षत्र प्रायः इन दो तिथियों में पड़ता है। कभी-कभी कुछ वर्षों में तृतीया तिथि पर भी पड़ा है, परंतु यह ज्ञातव्य है कि उक्त श्राद्ध होगा भरणी नक्षत्र में रहते ही। यदि चतुर्थी को भरणी नक्षत्र पड़ता है तो उसे चतुर्थी भरणी तथा पंचमी को भरणी नक्षत्र पड़ने पर पंचमी भरणी के रूप में जाना जाता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यदि चतुर्थी को भरनी नक्षत्र अपराह्न काल में उपलब्ध है, तो चतुर्थी में तथा यदि पंचमी को अपराहन काल में भरणी नक्षत्र है तो पंचमी में किया जाएगा। इस श्राध्द को महा भरणी श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है। भरणी नक्षत्र के स्वामी यमराज हैं, जो मृत्यु के अधिश्वर हैं।

इसी वजह से पितृपक्ष में भरणी नक्षत्र को विशेष स्थान दिया गया है, तथा इसके करने से गया में किए जाने वाले श्राद्ध (गया श्राद्ध) के बराबर श्राद्ध कर्ता को पुण्य व पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कुछ शास्त्रों के अनुसार किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद यदि उसकी सपिंडी हो गई है, तो उसे इस वर्ष में पढ़ने वाले पितृपक्ष में भरणी श्राद्ध किया जा सकता है, किंतु धर्म सिंधु के मत अनुसार श्राद्ध प्रत्येक वर्ष के पितृपक्ष में किया जा सकता है। हां यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि पितृपक्ष 'पार्वण' श्राद्ध होते हैं, और इन श्राद्धों को करने के लिए शास्त्रों में मुहूर्त दिए गए हैं। जिनके कुतुप, रौहिण आदि उत्तम मुहुर्त माने गए हैं। अतः अपराह्न काल समाप्त होने से पूर्व ही श्राद्ध का कर्म पूर्ण करना चाहिए। श्राद्ध करने के बाद तर्पण का विधान करना चाहिए। इस श्राद्ध के करने से मृत आत्माओं को प्रेत योनि (यदि उसमें है) से भी छुटकारा मिल जाता है और वही पुण्य प्राप्त होता है जो गया श्राद्ध करने से प्राप्त होता है।

सूचना

पालागन बंधु,

जैसा कि आपको विदित है, कि माथुर चतुर्वेदियों के मूल ग्रामों में से एक ग्राम तरसोखर के बाँधवों की परिचायिका (डायरेक्ट्री) आप सभी के सहयोग से प्रकाशन हेतु तैयार है। उसमें प्रकाशित विज्ञापन रूपी सहयोग से ही प्रकाशन संभव है। इस परिचायिका के प्रकाशन हेतु आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। यह परिचायिका A4 आकार में प्रकाशित होगी। प्रकाशन हेतु विज्ञापन दरें निम्नानुसार है।

लास्ट कवर पेज - 7000/-
सेकंड इनर कवर पेज - 7000/-
थर्ड एनर कवर पेज -6000/-
फुल पेज कलर - 4000/-
हाफ पेज कलर 2500/-
विज्ञापन हेतु संपर्क सूत्र :-
ललित चतुर्वेदी 9415011198,
अभिषेक चतुर्वेदी (गप्पु) 9827289143
संदीप चतुर्वेदी (नानू) 9826355565

अर्धनारीश्वर भगवान शिव

- **कैलाश चतुर्वेदी**, कासगंज

"सकलभुवन भूतभावनाभ्यां जननविनाशविहीन विग्रहाम्याम। नरवरयुवतीव पुर्धराभ्यां सततमंह प्राणतोऽस्मि शंकराभ्याम।।" अर्थात जो समस्त भुवनों के प्राणियों को उत्पन्न करने वाले हैं, जिनका विग्रह जन्म और मृत्यु से रहित है तथा जो श्रेष्ठ नर और सुंदर नारी (अर्धनारीश्वर) रूप में एक ही शरीर धारण करके स्थित हैं ,उन कल्याणकारी भगवान शिव और शिवा को मैं प्रणाम करता हूँ। भगवान शिव का अर्धनारीश्वर रूप परम परात्पर जगत्पिता और दयामयी जगन्माता के आदि सम्बन्ध भाव का घोतक है। सृष्टि के समय परम पुरुष अपने ही अद्धार्ग से प्रकृति को निकालकर उसमें समस्त सृष्टि की उत्पत्ति करते हैं ।

"द्विधा कृतात्मनो देहमद्धैन पुरूषोऽभवन ।
अद्धैन नारी तस्यां स विराजमसृजत्प्रभुः ।।"

ईश्वर सच्चिदानंदस्वरूप है, उनका सत्स्वरूप, मातृस्वरूप और चित्स्वरूप,पितृस्वरूप है। आनंद रूप वह स्वरूप है जिसने मातृ और पितृ दोंनो भावो का पूर्व रूपेण सामंजस्य हो जाता है ।वही शिव और शक्ति का संयुक्त रुप अर्धनारीश्वर रूप है स्त्री और पुरुष दोनों ईश्वर की प्रतिकृति हैं ।स्त्री उनका सद्रय और पुरुष चिद्रय परंतु आनंद के दर्शन तब होते है जब ये दोनो मिलकर पूर्ण से एक हो जाते हैं।

पुराणों के अनुसार लोकपितामह ब्रह्मा जी ने पहले मानसिक सृष्टि उत्पन्न की थी। अपनी मानसी सृष्टि की वृद्धि न होते देख कर ब्रह्मा जी ने भगवान त्र्यंबक सदाशिव और उनकी परमा शक्ति का हृदय में चिंतन करते हुए महान तपस्या में संलग्न हो गए। उनकी इस तीव्र तपस्या से भगवान महादेव शीध्र ही प्रसन्न हो कर अपने अनिर्वचनीय अंश से अर्धनारीश्वर रूप में प्रकट हो गए।

"तीव्रेन तपसा तस्य युक्तस्य परमेष्ठिनः।
अचिरेणैव कालेन पिता सम्प्रतुतोष ह।।
ततः केन चिदंशेन मूर्तिमाविश्य कामणि।
अर्धनारीश्वरो भूत्वा ययौ देवस्वयं हरः।।"

देवाधिदेव महादेव ने ब्रह्मा जी को उनका अभीष्ट वर प्रदान कर अपने वाम भाग से अपनी शक्ति भगवती रुद्राणी को प्रकट किया। तब ब्रह्मा जी ने सर्वजगत्मयि देवी की स्तुति करते हुए मैथुनी सृष्टि हेतु नारी कुल की सृष्टि करने और चराचर जगत की बृद्धि हेतु अपने पुत्र दक्ष की कन्या बनने की प्रार्थना की। तब देवी रुद्राणी ने अपने अंश से अपनी ही समान एक कांतिमती शक्ति उत्पन्न की, यही शक्ति दक्ष की पुत्री बनी। इस प्रकार देवी ब्रह्मा जी को सृष्टि- रचना की अनुपम शक्ति प्रदान करके शंभू के शरीर में प्रविष्ट हो गई ।तभी से इस लोक स्त्री -भाग की कल्पना हुई और मैथुनी सृष्टि प्रारंभ हुई। भगवान सदाशिव के अर्धनरीश्वर रूप से सृष्टि की उत्पत्ति हुई अतः समस्त पुरुष उनके अंश तथा समस्त नारियां भगवती शिवा की अंशभूता है। भगवान अर्धनारीश्वर से ही यह संपूर्ण चराचर जगत व्याप्त है-

"पुल्लिंग सर्वमीशांन स्त्रीलिंग विद्धि चाप्युमाम।
द्वाभ्यां तनुभ्यां व्याप्तं हि चराचरमिदं जगत।।"

।। हर हर महादेव ।।

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट)

- श्रीमती उषा चतुर्वेदी, भोपाल
(पूर्व अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग)

विश्व में जितने भी देश हैं उन देशों में सबसे अधिक बच्चों की संख्या भारत में हैं। यही कारण है जब हमारा भारत का संविधान बना उसे समय उनके हित संरक्षण संवर्धन तथा विकास हेतु विभिन्न अधिकार सुरक्षित किए गये। अनुच्छेद 39(च) में राज्य से यह अपेक्षा की गई कि बालकों की सुकुमार अवस्था का दुरुपयोग ना हो, बालकों को स्वतंत्र एवं गरिमामय वातावरण में स्वस्थ विकास के अवसर और सुविधाएं दी जावे ।बालको तथा अल्पवय की शोषण तथा नैतिक और आर्थिक परित्याग से रक्षा की जाये।

संविधान के उपरोक्त प्रावधानों के अंतर्गत ही बालकों के संरक्षण एवं उन्हें शोषण से बचने के लिए लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण बनाया गया। यह अधिनियम क्रमांक 32 है । संविधान का अनुच्छेद 15 अन्य बातों के साथ राज्य को बालकों के लिए विशेष उपबंध करने की शक्तियाँ प्रदान करता है। इन्हीं शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकारों ने बालकों के संरक्षण के लिए यह नियम लागू किया।

19 जून 2012 को राष्ट्रपति जी की स्वीकृति प्राप्त हुई।

सन 2012 में जब यह अधिनियम लागू हुआ उस समय यह जम्मू कश्मीर राज्य को छोड़कर समस्त भारत में लागू हुआ था।(2012 में धारा 370 वहां लागू थी।)

अधिनियम बनाने का उद्देश्य

इस अधिनियम को बनाने का उद्देश्य बच्चों को विभिन्न यौन संबंधी अपराधों से सुरक्षा, व यौन उत्पीड़न संबंधी मामलों को जल्दी निपटाने के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना है।

इस अधिनियम में 46विभिन्न धाराएं हैं। उन धाराओं के अंतर्गत विभिन्न अपराध उनके लिए दंड विशेष न्यायालय की स्थापना दंड देने की प्रक्रिया सभी सम्मिलित हैं। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया था, देश के हर जिले में पोक्सो कोर्ट जरूर बनाएगी ताकि अपराधियों को सजा मिल सके तथा बालकों को न्याय।

अधिनियम को लागू करने एवं उसकी निगरानी करने का काम

अधिनियम को लागू करने के लिए तथा उसकी निगरानी करने का दायित्व राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को सोपा गया। जो राष्ट्रीय स्तर पर है। और राज्य स्तर पर इसका दायित्व राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग है। यह दोनों आयोग अधिनियम की 2005 की धारा 3 व 17 के अंतर्गत गठित किए गए हैं। 2012 अधिनियम के अंतर्गत धारा 44 में आते हैं।

अधिनियम के अंतर्गत अपराध

बच्चों के साथ यौन अपराधों में उनका यौन शोषण, यौन उत्पीड़न, एवं पोर्नोग्राफी को शामिल किया गया है। अधिनियम में बच्चों और नाबालिगों के साथ अश्लील हरकतें करना, उनके प्राइवेट पार्ट को छूना, या अपने प्राइवेट पार्ट को टच करवाना, बच्चों को अश्लील फिल्म या पोर्नोग्राफी कांटेक्ट दिखाना, बच्चों के शरीर को गलत इरादे से छूना यह गलत भावना से की गई हरकतें, बार–बार लगातार पीछा करना, निगरानी में रखना, या किसी बच्चे के साथ सीधा या संबंध स्थापित करना यह इलेक्ट्रॉनिक की माध्यम से या अन्य किसी साधनों से संबंध स्थापित करना यौन उत्पीड़न माना जाएगा। इन्हें रेप की श्रेणी में रखा गया है।

अपराधों का वर्गीकरण

बच्चों के प्रति किए गए अपराधों को निम्नलिखित दो भागों में बांटा गया है।

1. 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के प्रति यौन अपराध 12 वर्ष के कम उम्र बच्चों के प्रति किए गए अपराध सिद्ध होने पर अपराधी

को आजीवन कारावास तथा मृत्युदंड दिया जा सकता है।

2. 12 वर्ष से अधिक 16 वर्ष के उम्र तक के बच्चों के साथ अपराध

12 वर्ष से अधिक तथा 16 वर्ष तक के नाबालिक बच्चों के प्रति यौन अपराध सिद्ध होने पर 10 वर्ष एवं अधिकतम 20 वर्ष तक की सजा दी जा सकती है।

अधिनियम में किए गए प्रावधान

18 वर्ष से कम उम्र की लड़की का विवाह होने पर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने को एक्ट में अपराध माना गया है। भारतीय दंड संहिता 1860 के तहत सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की उम्र 16 वर्ष से बढ़ाकर 18 वर्ष कर दी गई है।

मामलों की सुनवाई

विशेष अदालत : सुप्रीम कोर्ट में प्रत्येक जिले में विशेष अदालतों की स्थापना करने के आदेश दिए गए हैं। विशेष न्यायालय के तहत कार्रवाई दंड प्रक्रिया संहिता 1973 होगी। विशेष न्यायालय को सेशन कोर्ट ही माना जाएगा तथा अभियोजन का संचालन करने वाले व्यक्ति को लोक अभियोजक समझा जाएगा।

विशेष लोक अभियोजक

राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के उपबंधो के अधीन केबल मामलों का संचालन करने के लिए प्रत्येक न्यायालय में एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्ति करेगी। । लोक अभियोजक बनने के लिए कम से कम किसी अधिवक्ता को 7 वर्ष का अनुभव होना चाहिए

पोक्सो एक्ट से संबंधित मामलों की सुनवाई विशेष अदालत में ही होती है। जिला अदालत के अन्य किसी कोर्ट में नहीं हो सकती। पीड़ित बच्चे की सुनवाई माता–पिता की निगरानी अथवा अभिभावक या बच्चे को जिस पर विश्वास हो उसके सम्मुख की जाती है। कार्यवाही कमरे में रिकॉर्ड की जाती है। पीड़ित बच्चों के बयान बंद अदालत में किए जाते हैं। अपराधी को हर तरह से दूर रखा जाता है।

यदि पीड़ित बच्चा दिव्यांग या अन्य शारीरिक कमी अथवा भाषा ना समझने पर दुभाषिये या विशेष शिक्षक अथवा अनुवादक की सहायता ली जाएगी। पीड़ित बच्चों के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। बच्चों के बयान के समय अदालत जैसा वातावरण नहीं होना चाहिए बच्चों को सहज और सरल वातावरण में बयान लिए जाते हैं। विशेष न्यायालय यह भी निश्चित करेगा बच्चों की पहचान से संबंधित विद्यालय रिश्तेदार पड़ोसी अथवा अन्य कोई सूचना जिससे बालक की पहचान हो सके प्रतिबंधित होगी। अर्थात पीड़ित बच्चे की पहचान प्रकट नहीं की जाएगी। पीड़ित बच्चे को परीक्षण के लिए बार–बार नहीं बुलाया जाएगा।

विशेष न्यायालय यदि आवश्यक समझे तो विवेचना के समय बच्चे को बार बार विश्राम भी दे सकता है। यदि इस तरह का अपराध कोई नाबालिक बच्चा करता है तो किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत ही समस्त कार्रवाई की जाएगी। बालक के साक्ष्य अपराध संज्ञान में आ जाने के बाद 30 दिन के भीतर अभिलिखित किए जाएंगे। विशेष न्यायालय अपराध का संज्ञान लिए जाने की तारीख से 1 वर्ष की अवधि में विचरण को पूरा करेगा।

2– बाल यौन अपराध से संबंधित कैसे आने पर पुलिस द्वारा पोक्सो एक्ट के के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। तथा सूचना बाल कल्याण समिति को 24 घंटे के अंदर देनी होगी।

मेडिकल जांच

यदि पीड़ित कोई बालिक है तो उसकी मेडिकल जांच महिला चिकित्सक द्वारा ही की जाएगी। तथा जांच के समय पीड़ित के माता–पिता अभिभावक उपस्थित रहेंगे।

मुआवजा

यदि पीड़ित बच्चे के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो वह विचारण के मध्य भी मुआवजे की मांग कर सकता है।

संशोधन

अधिनियम को और अधिक कठोर बनाने के लिए सन 2019 में इसकी धारा,4,5,6,9,14,15,42 मैं संशोधन किए गए कठोर दंड देने के लिए करवा की सजा 10 साल से बढ़कर 20 वर्ष की गई तथा 12 वर्ष से छोटे उम्र की बालक के साथ यदि अपराध कारित होता है तो आजीवन कारावास तथा मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान किया गया। सहमति से शारीरिक संबंध बनाने उम्र में परिवर्तन किया गया 16 के स्थान पर 18 वर्ष किया गया।

मिथ्या परिवाद अथवा मिथ्या सूचना देने वाले के लिए जुर्माना तथा छह माह की सजा का प्रावधान पोक्सो एक्ट में है। यदि कोई बालक के द्वारा इस तरह की सूचना दी गई है तो बालक के विरुद्ध कोई दंड का प्रावधान नहीं है। पोक्सो एक्ट में एक विशेष बात है जिस व्यक्ति के खिलाफ अपराध की शिकायत की गई है उसी के ऊपर स्वयं को निर्दोष साबित करने का भार होता है।

पीड़ित बच्चे का बयान किसी भी हालत में थाने में नहीं लिखा जा सकता है। कानून सख्त है इसके प्रावधान भी सकते हैं लेकिन कानून की जानकारी जनसाधारण को न होने के कारण अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है अतः जन जागरण कानून के संबंध में आवश्यक है। ताकि बाल बालकों के प्रति बढ़ते हुए अपराधों पर रोक लगाई जा सके।

विवाह संस्कार की उत्पत्ति प्रकार नियम एवं रिवाजें

- श्रीमती उषा चतुर्वेदी भोपाल

विवाह स्त्री और पुरुष के बीच अनोखा एवं आत्मिक, भावनात्मक संबंध है। विवाह को कुछ लोग दूसरा जन्म ही मानते हैं क्योंकि विवाह के पश्चात स्त्री एवं पुरुष दोनों का संपूर्ण जीवन बदल जाता है।

विवाह का शाब्दिक अर्थ

वि+आहा=विवाह

विशेष उत्तरदायित्व वहन करना।

हमारी भारतीय संस्कृति में जन्म से लेकर मृत्यु तक मानव के सोलह संस्कार होते हैं। विवाह एक महत्वपूर्ण संस्कार जो मानव का त्रयोदश संस्कार है।

विवाह प्रथा के पूर्व की स्थिति

मानव पहले पूर्णरूपेण सुसंस्कृत नहीं था।वह जंगलों में रहता था। किसी भी प्रकार का बंधन किसी पर भी लागू नहीं होता था। जीवन यापन के लिए पशुओं का शिकार तथा जंगली कंदमूल खाकर जीवन व्यतीत करता था। यायावर का जीवन व्यतीत करता था।

वर्तमान काल में भी लिव इन रिलेशनशिप की प्रथा बहुत जोर से प्रारंभ हो गई जोकि समाजिक एवं धार्मिक दोनों से ही उचित नहीं। समाज निर्माण में सहायक परिवार का अस्तित्व आज संकट में है। ऐसे संबंध से उत्पन्न संतान पूर्णरूपेण सुख सुविधा से वंचित रहती है। यह दीर्घकाल तक संभव नहीं होता। विवाह नामक संस्था का भविष्य संकटग्रस्त नजर आता है।

विवाह की प्रथा– कब से प्रारंभ हुई तथा किसके द्वारा प्रारंभ हुई इसके बारे में विभिन्न स्रोतों से एकत्रित की गई जानकारी के अनुसार– एक किवदन्ती के अनुसार एक ऋषि थे।वह और उनका पुत्र 1 दिन आश्रम में बैठे कार्यरत थे। उसी समय एक अन्य ऋषि आए और की पत्नीको उठाकर ले गए। यह देख कर के पुत्र को बहुत क्रोध आया उन्होंने अपने पिता से कहा यह उचित नहीं है। तब पिता ने उत्तर दिया यही परम्परा है। यह प्राचीन काल से चली आ रही है, संसार की सारी स्त्रियाँ इसी परम्परा के अधीन है। पुत्र ने इसका विरोध किया। यह तो पाशविक वृत्ति है , हम मानव हैं लेकिन कृत पशुओं की भांति। इस बात से उसे बहुत पीड़ा हुई तब उन्होंने यह है निश्चय किया के विवाह बंधन के बारे में नियम बनाना बहुत आवश्यक है और उन्होंने नियम बनाए जो अब एक प्रथा बन गई और हमारी भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। उनके बनाए विवाह बंधन का नियम ,यदि कोई स्त्री विवाह करने के पश्चात किसी पुरुष के साथ चली जाती है। तो यह गर्भ

हत्या के बराबर पाप होगा। और कोई यदि पुरुष विवाह बंधन में बंधने के बाद किसी पर स्त्री के साथ जाता है उस पर भी यही नियम लागू होगा। स्त्री और पुरुष दोनों मिलकर अपनी गृहस्थी चलाएंगे। पति के रहते पत्नी अन्य किसी से संबंध नहीं बना सकती। यही विवाह संस्कार की उत्पत्ति। जो आज तक निरंतर चली आ रही है।

भारतीय हिंदू संस्कृति में विवाह दो लोगों का जीवन भर का बंधन है तथा लोगों के साथ दो परिवारों को एक कर प्रेम और एकता स्नेह में बांधने का बंधन भी है। विवाह के पश्चात स्त्री और पुरुष के आपसी संबंध को सामाजिक और धार्मिक मान्यता प्राप्त हो जाती है। हमारी भारतीय संस्कृति में धर्मानुसार विवाह का बन्धन ईश्वर द्वारा प्रद्धत है जोड़ियाँ ऊपर से ही बनकर आती है।

विवाह समाज निर्माण की सबसे छोटी इकाई परिवार निर्माण का मूल है।

विवाह के प्रकार

विवाह आठ प्रकार के बताए गए हैं।
दैव,ब्रहमा,आर्ष,प्राजापत्य,असुर,
गन्धर्व,राक्षस,पैशाच।

सबसे उत्तम विवाह ब्रह्म विवाह माना जाता है जो कि आजकल प्रचलित है। यह विवाह पंडितों के द्वारा मंत्रोच्चार के साथ अग्नि को साक्षी मानकर माता-पिता या अभिभावक द्वारा विधि विधान से संपन्न कराया जाता है। समाज अधिकतर इसी को मान्यता देता है।

संख्या के आधार पर
बहु पत्नी विवाह
बहु पति विवाह
एकल विवाह

विवाह के नियम

1- सगौत्री विवाह वर्जित है अर्थात वधू का गोत्र एवं वर का गोत्र समान नहीं होना चाहिए।
2- वधू का गोत्र एवं वर के ननिहाल पक्ष का गोत्र समान नहीं होना चाहिए।
3 -दो सगी बहनों का विवाह दो सगे भाइयों से नहीं किया जाना चाहिए
4- सगे भाई बहनों के विवाह में 6 माह का अंतर होना चाहिए अर्थात यदि भाई का विवाह पहले होता है तो उसके 6 माह बाद ही बहन का विवाह हो सकता है।
यदि 6 माह के अन्दर संवत बदल जाता है, तो 6 माह से पहले किया जा सकता है।
5- अपने वंश अथवा कुटुंब में विवाह होने के 6 माह के भीतर मुंडन जनेऊ चूड़ाआदि मांगलिक कार्य नहीं होते।
6- वर अथवा वधू के विवाह के गणेश पूजन के बाद यदि परिवार में किसी की मृत्यु होती है तो सूतक वर वधू तथा दोनों के माता-पिता को नहीं लगता विवाह हो सकता है।
7- यदि लग्न के बाद परिवार में किसी की मौत होती है तो सूतक समाप्त के बाद ही विवाह हो सकता है।

विवाह संपन्न कराने की परंपराएं एवं रिवाजे

विभिन्न समाजों में विवाह अथवा पाणिग्रहण संस्कार के समय कुछ परंपराओं एवं रिवाज का निर्वहन किया जाता है जो कि उनके समाज में प्रचलित होती हैं। कुछ परंपराएं ऐसी हैं जो प्रायःसभी समाजों में प्रचलित हैं

कब से प्रारंभ हुई तथा किसके द्वारा प्रारंभ हुई इसके बारे में विभिन्न स्रोतों से एकत्रित की गई जानकारी के अनुसार- एक किवदन्ती के अनुसार एक ऋषि थे।वह और उनका पुत्र 1 दिन आश्रम में बैठे कार्यरत थे। उसी समय एक अन्य ऋषि आए और की पत्नीको उठाकर ले गए। यह देख कर के पुत्र को बहुत क्रोध आया उन्होंने अपने पिता से कहा यह उचित नहीं है। तब पिता ने उत्तर दिया यही परम्परा है। यह प्राचीन काल से चली आ रही है, संसार की सारी स्त्रियाँ इसी परम्परा के अधीन है। पुत्र ने इसका विरोध किया। यह तो पाशविक वृति है , हम मानव हैं लेकिन कृत पशुओं की भांति।

कुंडली मिलान

विवाह सम्बन्ध करने से पहले लड़के एवं लड़कियों की कुंडली का मिलान किया जाता है। कुंडली मिलान से यह जानकारी एकत्र की जाती है। गोत्र, जन्म समय, तिथि, दिशा राशि, मंगल एवं गुण आदि। विवाह संपन्न करने के लिए कम से कम 19 गुणों का मिलना आवश्यक है।

पक्की करने की रस्म

कुंडली मिलान करने के पश्चात दोनों पक्षों की सहमति के बाद शुभ मुहूर्त में मिष्ठान फल एवं कुछ राशि देकर सम्बन्ध पक्का करने की घोषणा की जाती। ताकि समाज को सम्बन्ध पक्का करने की जानकारी हो जाए।

लगुन या लग्न

लग्न में इस बात का उल्लेख रहता है विवाह सम्बन्ध किस तिथि को किस स्थान पर संपन्न होने वाला है तथा संपूर्ण परिवार जनों के नामों का उल्लेख आदि रहता है। तथा विवाह के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी का उल्लेख रहता है।

कुछ समाजों में इससे फलदान कहते हैं जिसमें कन्या पक्ष के लोग वर पक्ष के यहाँ जाकर यह रस्म की अदायगी करते हैं। जिन समाजों में दहेज चलता है। वह धनराशि नगद रूप में देते हैं। विवाह संस्कार का यह प्रथम कार्यक्रम होता है।

गणेश पूजन

विघ्नहर्ता भगवान गणेश का पूजन विवाह कार्य पारम्भ करने से पहले किया जाता है। ताकि कार्य निर्विघ्न संपन्न हो जाए विवाह में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। उज्जैन का तात्पर्य विवाह संस्कार में भगवान गणपति को निमंत्रण देना भी होता है।

माता पूजन

हल्दी तेल मेहंदी की रस्म से पहले माता पूजन किया जाता है। क्योंकि दुर्गा माँ को सौभाग्य की देवी माना गया है। सौभाग्य एवं सुहाग की देवी की पूजा अर्चना कन्या द्वारा कराई जाती है। ताकि उस का सौभाग्य अटल रहे। किसी किसी समाज में माता पूजन का कार्य बहुत धूमधाम से किया जाता है।

मेंहदी

मेहंदी की रस्म सभी समाज में होती है लेकिन वर्तमान समय में दूरदर्शन एवं सिनेमा से प्रभावित होकर मेहंदी का कार्यक्रम उसी प्रकार से संचालित होता है।

मामेरा या भात या चीकट

मामेरा या भात का कार्यक्रम वर एवं वधु दोनों के घरों में होता है बहन एवं बहन के परिवार के लिए उसका भाई कपड़े जेवर आदि लेकर आता है तथा मंडप में पहनाता है। मामा के लिए भांजा एवं भांजी दोनों पूजनीय होते हैं। उनके विवाह उत्सव पर वह वस्त्र भेंट कर अपनी पवित्र भावनाएं प्रकट करता है। बहन को अपने भाई प्रतीक्षा रहती है कि वह आकर मंडप की शोभा बढ़ाएं। किन्ही समाजों में इसे चिकट कहते हैं जिसमें भाई परिवार की सभी महिलाओं के लिए वस्त्र लाता है

मंडप

विवाह में मंडप का बहुत महत्व होता है। तथा मंडप शुभ मुहूर्त में समाज के प्रमुख व्यक्तियों के हाथों से संपन्न होता है।

कन्या द्वारा चावल फेंकना

बारात जब द्वारचार के लिए प्रवेश करती है उस समय कन्या के हाथों से बर के ऊपर पीले चावल डलवाए जाते हैं। जो इस बात का प्रतीक है वर एवं वधू का संपूर्ण जीवन सुख एवं समृद्धि से भरपूर हो जिस प्रकार से धान खेतों में लहराता है एक चावल से सैकड़ों चावल उत्पन्न हो जाते हैं उसी प्रकार वर एवं वधू से वंश की वृद्धि एवं समृद्धि हो।

हाथ पीले करना एवं कन्यादान

लड़की के माता-पिता लड़की के हाथ हल्दी से पीले कर देते हैं तथा उसी समय कन्यादान करते हैं जो इस बात का प्रतीक है माता पिता ने अपनी कन्या उसके पति को सौंप दी। कन्या अपने माता-पिता के संरक्षण से अपने पति के संरक्षण में चली जाती है। पति उसका संरक्षक हो जाता है।

मंगलसूत्र पहनाना

वर द्वारा वधू के गले में मंगलसूत्र पहनाया जाता है जो इस बात का प्रतीक है। इनका जीवन निष्ककंटक हो तथा किसी की नजर ना लगे। तथा बुरी नजर से बचाए तथा मंगलसूत्र पति की लंबी आयु का प्रतीक है।

सिन्दूर तथा बिन्दी

सिंदूर तथा बिंदी तीसरी आँख का प्रतीक है तथा यह दुर्भाग्य को दूर करती है।

फेरे

किसी समाज में 4 फेरे तथा अधिकतर समाज में सात फेरे होते हैं।यह अग्नि को साक्षी मानकर किए जाते हैं। अग्नि सूर्य देवता का प्रतीक होती है। विवाह सूर्य एवं चंद्रमा दोनों को साक्षी मानकर किया जाता है। रात में विवाह होने के कारण चंद्रमा की उपस्थिति तथा सूर्य की उपस्थिति अग्नि के रूप में होती है।

सप्तपदी - विवाह संपन्न होने के बाद वर तथा वधू सात कदम साथ मिलकर चलते हैं वह सप्तपदी कहलाता है। इस बात का प्रतीक है की पति तथा पत्नी अपनी गृहस्थी एक साथ मिलकर सुख पूर्वक चलाएंगे। विचारों में समानता रखेंगे।

ध्रुवतारा

विवाह के उपरांत मंडप से ही ध्रुवतारा वर वधु को दिखाया जाता है जो इस बात का प्रतीक है ध्रुव तारे के समान ही इनका विवाह अटल एवं सौभाग्य अटल रहे। अंत में मैं इतना ही कहना चाहूंगी विवाह जैसी पवित्र संस्था के बारे में विवरण देने का मेरा हेतु इतना ही है विवाह की पवित्रता एवं महत्त्व वर्तमान युग नव युवक युवतियां समझे। तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़े रहे।

शाखा समाचार

कानपुर

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 28 जुलाई 2023 को बाबू ओंकार नाथ चतुर्वेदी स्मृति सार्वजनिक चतुर्वेदी धर्मशाला साकेत

नगर कानपुर में सायंकाल 6 बजे बाबू ओंकार नाथ चतुर्वेदी की स्मृति में एक कार्यक्रम उनके जन्म एवं निर्वाण दिवस के उपलक्ष में स्मृति दिवस (स्थापना दिवस) के रूप में धर्मशाला समिति एवं श्री माथुर चतुर्वेदी सभा कानपुर द्वारा आयोजित किया गया।

इसी कार्यक्रम के साथ साथ मेधावी छात्र सम्मान समारोह एवं समाज गौरव सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें निम्न को सम्मानित किया गया---

हाई स्कूल के लिए-

1-श्रेयस चतुर्वेदी पुत्र श्री विश्वास चतुर्वेदी, 2- कु. आयुषी चतुर्वेदी पुत्री श्री अनुज चतुर्वेदी, 3-रितिक पुत्र दिनेश चंद, 4-श्रेष्ठ चतुर्वेदी पुत्र सौरभ चतुर्वेदी, श्रेयस चतुर्वेदी पुत्र विश्वास चतुर्वेदी ने हाई स्कूल परीक्षा में 96.2% अंक हासिल कर परिवार व समाज का मान बढ़ाया।

इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए

1-कु. अनु चतुर्वेदी पुत्री विमल चतुर्वेदी, 2- वान्या चतुर्वेदी पुत्री फणींद्र नाथ चतुर्वेदी

समाज गौरव सम्मान के लिए

1- श्री सौरभ चतुर्वेदी दीनदयाल नगर को क्रिकेट के क्षेत्र में बीसीसीआई के स्कोरर रहने के लिए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश के द्वारा सम्मानित किया गया था। 2-अनुज चतुर्वेदी किदवई नगर को सिविल डिफेंस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा सम्मानित किया गया। 3- कु.अनुभा चतुर्वेदी पुत्री अनुराग चतुर्वेदी को नीट परीक्षा क्वालीफाई करने के बाद गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज झांसी से एमबीबीएस करने जा रही है को सम्मानित किया गया। 4-कु.आकृति मिश्रा को नृत्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से माननीय सत्यदेव पचौरी सांसद कानपुर, श्री अभिजीत सिंह सांगा विधायक, श्री महेश त्रिवेदी विधायक, श्री अमिताभ बाजपेई विधायक, श्री नीरज चतुर्वेदी पूर्व विधायक, श्री सलिल बिश्नोई पूर्व विधायक,विद्युत नियामक आयोग के सदस्य श्री वीके श्रीवास्तव,ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस कानपुर श्री ए पी तिवारी, श्री अक्षय त्रिपाठी आईएएस, श्री शिव शरणप्पा आईएएस नगर आयुक्त कानपुर, आर एस एस के प्रांत प्रचारक श्री राम, एडीएम सिटी श्री राजेश कुमार ,श्री दीपक कोठारी पान पराग ,धर्मशाला संयोजक विकास चतुर्वेदी (चुन्ना भैया), विवेक चतुर्वेदी व शहर के प्रख्यात डॉक्टर व गणमान्य व्यक्तियों के साथ साथ कानपुर सभा के संरक्षक श्री अविनाश भैया, श्री धीरेंद्र चतुर्वेदी एवं श्री माथुर चतुर्वेदी सभा कानपुर के अध्यक्ष सर्वश्री स्वतंत्र प्रकाश चतुर्वेदी, महामंत्री प्रवेश जी, लोकेंद्र जी, नवीन जी, प्रशांत जी, मोहिता जी, पिंकी जी व अन्य कार्यकारिणी सदस्यगण तथा सर्वश्री प्रणव जी, समीर जी व संजय मिश्रा जी, आशुतोष जी व अनुराग जी आदि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री आशुतोष जी व अनूप जी के द्वारा किया गया।

– **प्रवेश चतुर्वेदी,** महामंत्री

***

आगरा

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा(रजि०) के तत्वाधान में ताजगंज मोक्षधाम में वाटर कूलर श्री मनीष चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री मृदुलकान्त जी (होलीपुरा/आगरा) के सौजन्य से का लोकार्पण वयोवृद्ध श्री सत्यदेव जी,श्री अजीत पांडे जी, प्रो०हरेश चतुर्वेदी जी,श्री बटुक नाथ जी के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश पाठक जी द्वारा महामृत्युंजय मंत्र के साथ शुरू किया गया। श्री मुकेश चतुर्वेदी जी (अध्यक्ष) ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सर्वश्री राजीव जी, सुमंत जी, भूदेव जी, मुकेश जी,समीर जी, मधुकर पाठक जी, मनोज जी, प्रमोद जी, चन्द्रादित्य जी, अतुल जी, दीपक मिश्रा जी, अम्बुज पाण्डेय जी, बद्री विशाल जी, आशुतोष पाठक जी, आशीष मोहन जी, अमित पाण्डे जी, हर्ष मोहन जी, पराग जी, रोहित जी, नितिन जी, अमित जी, श्री रोहित जी, आशीष जी (रानू जी), संचित जी,आदि चतुर्वेदी समाज के जन मुख्यतः उपस्थित रहे। आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज द्वारा पोधारोपण की गतिविधि के लिये प्रेरित किया।

– **मुकेश चतुर्वेदी,** अध्यक्ष
श्री माथुर चतुर्वेदी सभा आगरा

***

प्राचीन सभा, श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा की चुनाव

प्रक्रिया चुनाव समिति के सानिध्य में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 30 जुलाई, 2023 को सम्पन्न हुई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि श्री हरेश चतुर्वेदी निर्विरोध निर्वाचित हुए। अध्यक्ष जी द्वारा कार्यकारिणी गठन के अंतर्गत श्री चंचल जी को महासचिव पद पर एवं श्री दीपेन्द्र नाथ जी को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। दिनांक 15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्राचीन श्री माथुर चतुर्वेदी सभा,आगरा के महिला संगठन ने कार्यकारिणी के कार्यक्रमों का श्री गणेश एक वृक्षारोपण के कार्यक्रम से विजय क्लब, विजय नगर कॉलोनी, आगरा में किया। इस कार्यक्रम का आयोजन आगरा समाज के श्रद्धेय गणमान्यों की स्मृति में पौधारोपण कर के किया गया।

– **चंचल चतुर्वेदी,** महामंत्री

***

ग्वालियर

श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा ग्वालियर के तत्वाधान में हरियाली तीज महोत्सव डॉ. वैभव मिश्रा के निवास दर्पण कॉलोनी, ग्वालियर में दिनाँक 19 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम बड़े उत्साह व उमंग से मनाया गया। लगभग 80 महिलाओं ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का प्रारंभ मेहंदी लगवाने से हुआ।

जिसके लिए मेहंदी लगाने वाले 2 लोगों की व्यवस्था की गई थी। इसके बाद ढोलक एवं हारमोनियम पर सावन के सुर मधुर गीतों पर पारंपरिक नृत्य व गायन के कार्यक्रम ने इस कार्यक्रम को उच्च स्तरीय बना दिया। इसमें प्रमुख तौर पर श्रीमती आरती जी, विदुषी जी, शकुंतला जी व श्रीमती सुनीलम जी का सहयोग रहा। नृत्य की शुरुआत सगुना विधना से हुई। जिसमें श्रीमती संध्या जी, दीपाली जी, सुजाता जी, भावना जी, सीमा जी, दिशा जी, सोनिया जी, क्षमा जी, ममता जी, मोना जी व नीराजी आदि ने अपने नृत्य कौशल से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख तौर पर श्रीमती रचना जी, भारती जी अंजू जी उमंग जी संगीता जी, शिखा जी, सुमित्रा जी, नीलू जी, संध्या जी, मधु जी, सपना जी, अर्चना जी, वंदना जी, पूनम जी, चारू जी, रंजना जी, सुबोध जी, व दीपा जी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के उपरांत सुरुचि भोज का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अलका जी ने किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन श्रीमती अंजलि मिश्रा व श्रीमती रोली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

– **करूणेश चतुर्वेदी,** उपाध्यक्ष

***

लखनऊ

रविवार 30 जुलाई 23 को श्री माथुर चतुर्वेदी मंडल, लखनऊ के वर्तमान सत्र की अंतिम आम सभा डीएवी डिग्री कालेज के प्रेक्षागृह में संपन्न हुई। मंडल के अध्यक्ष विपिन जी ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए स्थान ग्रहण करने का आग्रह किया। फिर सौरभ जी के मनमोहक भजन से बैठक प्रारंभ हुई, तदुपरांत मंत्री शिशिर जी ने अपने कार्यकाल का संक्षिप्त विवरण देते हुए कोषाध्यक्ष पूनम जी से वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। जिस पर चर्चा में पूनम जी ने कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदित बैलेंस शीट प्रस्तुति की। जिस पर चर्चा के दौरान ललित जी,यदुवेश जी,जलज जी, संजय जी, निखिल जी, भारत भूषण जी, पंकज जी ने अपने अपने विचार रखे। मंडल के उपाध्यक्ष द्वारा शंका समाधान के बाद मंडल की बैलेंस शीट पारित हो गई। इसके बाद अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में लखनऊ समाज द्वारा मिले सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए अपनी कार्यकारिणी सदस्यों को धन्यवाद दिया। उसके बाद मंत्री शिशिर जी ने सत्र 2023-2025 के लिए चुनाव सम्पन्न होने की घोषणा कर दी। तब अध्यक्ष ने चुनाव करवाने के लिए संरक्षकों सर्वश्री महेश चंद्र जी, शैल जी, भारतभूषण जी और लेखेंद्र जी को मंचासीन करते हुए मंच का संचालन चुनाव अधिकारी श्री महेश जी के सुपुर्द कर दिया। महेश जी ने कहा कि चूंकि चुनाव में अध्यक्ष पद पर नामांकन में शामिल श्री अमिताभ (अन्नू जी) द्वारा अपना नामांकन वापस ले लेने से सभी पदों के साथ अध्यक्ष पद पर भी केवल एक ही एक नामांकन शेष रहने के कारण चुनाव में प्रत्येक पद के लिए तीनों पदों पर क्रमशः अध्यक्ष श्री अजय जी (आशियाना), मंत्री श्री नमन जी (मोती नगर) और कोषाध्यक्ष पद हेतु श्री केयूर जी (मोती नगर) को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। उसके बाद तीनों पदाधिकारियों का उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से स्वागत किया और अजय जी,नमन जी, केयूर जी को माल्यार्पण कर निवर्तमान अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष ने भी मंच पर आसीन किया। कार्यक्रम की समाप्ति से पहले चाय नाश्ता के साथ अंत में मनोरंजन कार्यक्रम भी हुआ जिसमें लखनऊ नगर के वरिष्ठतम बांधव श्री कृष्ण मोहन जी, अलका जी, अमित जी, आंनद जी, सौरभ जी के सुमधुर गायन के साथ ही कृष्ण मोहन जी के दिलकश नृत्य ने समां बांध दिया। अंत में नवनिर्वाचित मंत्री

नमन जी ने सदन को शीघ्र ही अपनी कार्यकारिणी के साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषणा के लिए आश्वस्त किया। मंत्री ने सभी से यथासंभव सहयोग का अनुरोध भी किया। नव निर्वाचित कोषाध्यक्ष केयूर जी ने संजय जी के सवाल पर आश्वासन दिया कि आगामी कार्यकाल में बैलेंस शीट समय पर तैयार होगी।

– **नमन चतुर्वेदी,** मंत्री एवं **सौरभ चतुर्वेदी**

***

समाज समाचार

- अद्विका चतुर्वेदी पुत्री श्री विकास- श्रीमती मनीषा (इटावा/मुंबई) ने ICSE बोर्ड (हाई स्कूल) परीक्षा में 99.4% अंक के साथ देश में तीसरा गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त करने में सफल रही। पूरे समाज को समाज की इस पुत्री पर गर्व है।
- स्टेट जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए अयोध्या मंडल की टीम से कार्तिकेय चतुर्वेदी सुपुत्र श्री अभिनव चतुर्वेदी (चंद्रपुर/चारबाग़, लखनऊ) ने प्रतिभाग लिया। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के संयोजन में यह प्रतियोगिता मऊ यूपी जिले में आठ अगस्त से 18 अगस्त के बीच खेली गई। मकबरा स्टेडियम, फैज़ाबाद में अंडर-19 जूनियर बालक वर्ग का मंडलीय चयन ट्रायल आयोजित किया गया था। इसमें बाराबंकी, अंबेडकरनगर अमेठी, सुल्तानपुर व अयोध्या परिसर से लगभग 70 खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया था।

- हिंदुस्तान अखबार द्वारा आगरा के प्रतिष्ठित चौबे जी मसाले प्रतिष्ठान, आगरा की को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय द्वारा आगरा श्री सम्मानश्री **विकास चतुर्वेदी** को दिया गया।
- श्रीमती आभा चतुर्वेदी पत्नी श्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी (जबलपुर/भोपाल) के द्वारा अपनी माता जी स्व. श्रीमती सुनीत चतुर्वेदी पत्नी स्व. कैलाश चंद्र चतुर्वेदी (कम्पिल/कोटा) की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर रुपये 5000/- अन्नपूर्णा सहायता हेतु प्रदान किय गये। (र.क्र.-1972)
- डॉ. विनीता चौबे द्वारा संकलित पुस्तक ब्रज की रसोई समाज की पारंपरिक व सामायिक भोजन विधियों की पुस्तक है। इसमें समाज में बनाए जाने वाले पारंपरिक भोजन अचार चटनियाँ व मिष्ठान मुख्य रूप से शामिल किए गए हैं। इसी के साथ आज के समय को देखते हुए नई पीढ़ी के स्वाद को भी ध्यान में रखा गया है। इस पुस्तक में आपको वह सभी चीजें मिलेंगी। जिन्हें आप उसमें ढूंढ रहे हैं या देखना चाहते हैं। ब्रज की रसोई की मुख्य बात यह है कि ब्रज क्षेत्र में भोजन पारंपरिक विधियों में बिना प्याज लहसुन के उपयोग के भोजन तैयार किया जाता है। आज के समय में मारवाड़ी भोजन, जैन भोजन उपलब्ध है। इसी तरह हमारे समाज के भी कुछ व्यंजन विशिष्ट हैं। जिस विशिष्टता को प्रदर्शित करते हुए इस पुस्तक का संयोजन किया गया है। उक्त पुस्तक अमेज़न पर उपलब्ध है। संपूर्ण सेट लेने पर 10% की आकर्षक छूट पर उपलब्ध है इसके साथ चौक, होलियों व विवाह के गीतों की सीडी भी मुफ्त दी जाएगी। यह पुस्तक व पुस्तकों का सेट निम्न स्थान पर उपलब्ध है :: आईसेक्ट, स्कोप कंपस, NH-12, होशंगाबाद रोड भोपाल 462047 (मध्य प्रदेश) 07552432801, 9039535983

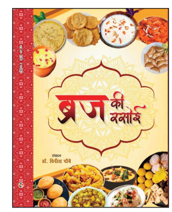

बिछड़े स्वजन

* श्री अमोल चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री शिव प्रसाद चतुर्वेदी का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 24 जुलाई 2023 को हो गया।

* श्रीमती पंकज पत्नी श्री मधुर जी (मैनपुरी/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनाँक 2 अगस्त 2023 को प्रातः लखनऊ में हो गया। आप स्व. कैलाश गार्ड जी की सुपुत्री थी।

* श्रीमती नीतू पत्नी श्री शिशिर जी पुत्र श्री खगेश जी (मैनपुरी/आगरा) का स्वर्गवास दिनाँक 16 अगस्त 2023 को गाजियाबाद में हो गया।

* श्रीमती प्रेरणा चतुर्वेदी पत्नी श्री पुणेंदु चतुर्वेदी (मलयपुर/देहली) का स्वर्गवास 40 वर्ष की अल्पायु में दिनाँक 22/08/23 को दिल्ली में हो गया।

* श्रीमती ऋगी चतुर्वेदी पत्नी श्री अश्विनी चतुर्वेदी (बिजकौली/अलीगढ़/ दिल्ली) का स्वर्गवास 03 अगस्त 2023 को दिल्ली में हो गया।

महासभा एवं चतुर्वेदी चंद्रिका परिवार दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

आठवीं पुण्यतिथि

श्रद्धेय प्रभात कुमार चतुर्वेदी (इटावा)

सुपुत्र : साक्षी गोपाल चतुर्वेदी एवं माधवी चतुर्वेदी

(पूर्व उप सभापति श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा)

जन्म : 21 जुलाई 1943 | निर्वाण : 10 सितंबर 2015

श्रद्धावनत

पत्नी : श्रीमती सुधा चतुर्वेदी
बहन : स्व. पुष्पा मिश्रा (जयपुर)
बहन : प्रतिभा चतुर्वेदी (कोटा)
बहन : शोभा मिश्रा (मुम्बई)
बहन : विभा चतुर्वेदी (अहमदाबाद)

(पुत्र-पुत्रवधु) : डॉ. मुदित चतुर्वेदी-गुंजन चतुर्वेदी
(पुत्री एवं दामाद) : शिवानी-ललित चतुर्वेदी (दानपुर)
(पुत्री एवं दामाद) : सपना-विकास चतुर्वेदी (कानपुर)
(पुत्री एवं दामाद) : अर्चना-आशीष चतुर्वेदी (इंदौर)
(पौत्र) : समर्थ चतुर्वेदी एवं सक्षम चतुर्वेदी

पता 1 : डॉ. मुदित चतुर्वेदी, मकान नं. 27
मेन ग्रीन पार्क, बरेली
पता 1 : 338, छिपैटी चौपार, इटावा - 206001
मोबाइल : 9896506222

(र.क्र. 2023/1973)

(र.क्र. 2023/1989)

Nirmala Construction
COMPANY

निर्मला कंस्ट्रक्शन कंपनी
गवर्नमेंट रजिस्टर्ड् कांट्रैक्टर

Akshay Choubey
Proprieter

B.E. (Civil Engineering) – Priyadarshini College, Nagpur
M.Tech - Birla Institute of Technology, Mesra (Ranchi)

Bazariya Ward No.1, Jawalamai Chouraha, Damoh(M.P.) -470661

+91 8770955872
+91 8602266219

- **किसी भी प्रकार की बिल्डिंग, घर, मॉल, कॉम्प्लेक्स, कालोनी के कंस्ट्रक्शन के लिए सेवा का अवसर प्रदान करे। तथा, कंस्ट्रक्शन मशीनर, जेसीबी, फियोरी, पोकलेन, के लिए संपर्क करे!**
- **हमेशा स्नेह और सहयोग देने के लिए माननीय सतीश चतुर्वेदी और आभा चतुर्वेदी (नागपुर) को विशेष धन्यवाद !**

Private Construction Project

Government Construction Project

दमोह परिवार - स्व. कैलाश नाथ चौबे(बगियावाले) , पुत्र - विनोद, देवेंद्र, गजेंद्र, राजेंद्र,स्व. नीरज चौबे।

भाई - तनय, सार्थक, विभोर, सुयोग, यश चौबे।

(र.क्र. 2023/1425) 2/6

यशशेष श्रद्धेय पद्‌माकर राव चतुर्वेदी 'धून्धू' 'दद्‌दा'

यशशेष श्रद्धेय पद्‌माकर राव चतुर्वेदी, धून्धू दददा का जन्म श्री विलास राव एवं श्रीमती सरस्वती देवी (चचाईन) के पुत्र के रूप में विगत १५ नवम्बर, १९२९ को ग्राम-होलीपुरा, तहसील-बाह, जिला-आगरा में हुआ था।

प्रारम्भिक शिक्षा निज ग्राम होलीपुरा के वैभव व कीर्ति को स्थापित रखने वर्ष १९४८ वाले दामोदर इण्टर कॉलेज में प्राप्त करने के पश्चात् में बाबू दयाशंकर चतुर्वेदी जी के सुझाव पर कानपुर आकर आगे की शिक्षा ग्रहण की तथा उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग निदेशालय के अन्तर्गत प्रान्तीय लौह एवं इस्पात विभाग में चयनित हुये।

आपका विवाह वर्ष १९५१ में (कर्वी, फतेहपुर/इटावा) अधिवक्ता श्री माता प्रसाद चतुर्वेदी जी एवं श्रीमती राधा रानी जी की पुत्री माधुरी के साथ सम्पन्न हुआ।

समाज के प्रति समर्पित भाव से जुड़कर पूरे परिवार को व्यवहारिक रूप में समाज से जोड़े रखना उनकी विशेषता थी। अपनी शिथिल अवस्था में भी चतुर्वेदी समाज से प्राप्त आमंत्रण एवं निमंत्रण की जानकारी होने पर परिवार का सदस्य सम्मिलित हो इस पर उनकी भरपूर नजर व इच्छा रहती थी।

आप खुशहाल एवं भरे पूरे परिवार को छोड़कर ९४ वर्ष की उम्र में निज निवासी ८/१०७, आर्यनगर कानपुर में रहते हुये विगत १४ जुलाई, २०२३ को मध्यान्ह १:०० बजे गोलोकवासी हो गये।

चतुर्वेदी समाज के प्रति निष्ठा व समर्पण उनकी विशेषता थी। जिसको उन्होंने अन्त तक निभाया भी।

प्रभु से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को स्वर्ग में स्थान दे तथा परिजनों को समाज सेवा से जुड़े रहने के भाव को मजबूती से बनाये रखने की प्रेरणा मिलती रहे।

शोकाकुल परिजन :

श्रीमती माधुरी चतुर्वेदी (पत्नी)

धनेश–नमिता, मनोज–नमिता (पुत्र–पुत्रवधू), प्रशांत अंशिता (पौत्र–पौत्रवधू), निशांत. विनायक (पौत्र), शुभांगी (पौत्री), रेयांश (प्रपौत्र), बीना (पुत्री), अवधेश – अंजली (दामाद–पुत्री), अमित–शुभी, अभिषेक– दिव्या (धेवता–धेवतावधू) आकृति, आकार (धेवती, धेवता), नमित, सात्विका (दोहित्र, दोहित्री)

(र.क्र. 2023/1976)

(र.क्र. 2023/1988)

R.N.I. NO. MAR/2000/2438
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/44/2021–23
''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' सितम्बर 2023

पत्र व्यवहार का पता– ''चतुर्वेदी चन्द्रिका'' ई–8/जी–2/255,
गुलमोहर कॉलोनी, अरेरा कॉलोनी, भोपाल–39,
ईमेल –sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

श्री समीर एवम सौ. मेधा चतुर्वेदी
विवाह की २५ वी सालगिरह पर

श्री समीर एव सौ. मेधा चतुर्वेदी, सुपुत्री अनन्या

हार्दिक बधाई

25TH ANNIVERSARY

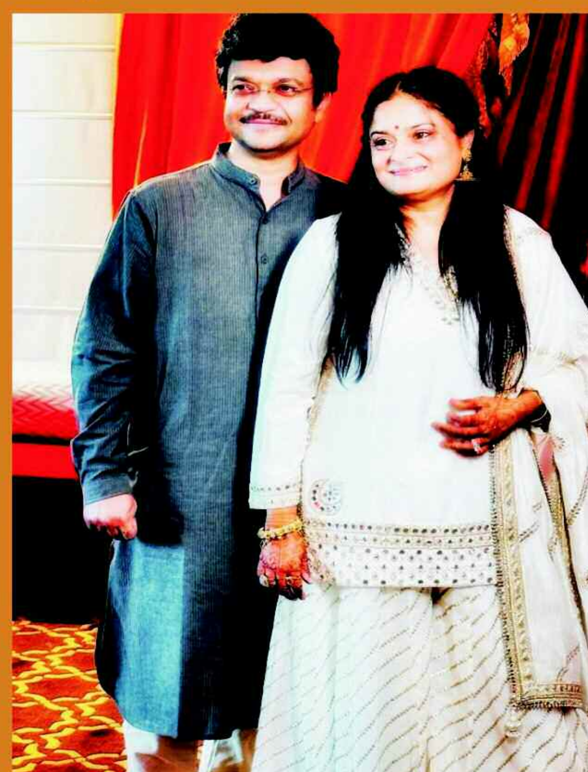

किशन सतीशचंद्र चतुर्वेदी,
३६, बाग फरजाना, सिविल लाइन, आगरा
एवम परिवार

(र.क्र. 1295)10/12